हिन्दी दैनिक

राजधानी हलचल

Web- www.rajdhanihulchul.com; Email-rajdhanihulchul@gmail.com

आपकी अपनी बुलंद आवाज़

वर्ष- 09 | अंक- 127 | भोपाल, सोमवार 24 मार्च 2025 | पृष्ठ- 08 | मूल्य- 01 रूपए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, बिहार शासन के मंत्री राजू कुमार सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रदेष कार्यालय में बिहार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया

जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं, चुनाव में इन्हें सबक सिखाएंः डॉ. मोहन यादव

-देश के विकास में बिहार समाज के अभूतपूर्व योगदान की विश्व में चर्चा होती है।

-देश और बिहार के विकास के लिए भाजपा का साथ दें, : श्री राजू कुमार सिंह।

भोपाल(राजधानी हलचल)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, बिहार शासन के मंत्री श्री राजू कुमार सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने रविवार को भाजपा प्रदेष कार्यालय में बिहार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान के तहत आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज बिहार नई करवट ले रहा है। ऐसे में देश में और बिहार में एनडीए की सरकार होना जरूरी है। भगवान राम और कृष्ण के नाम से ही हमारी संस्कृति चलती है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी हमेशा भगवान राम और कृष्ण का रास्ता रोकते रहे हैं। इन्हीं लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान आडवाणी जी की रथयात्रा को रोका था। आप सभी को यह याद रखना है कि जो राम का नहीं, वो किसी काम का नहीं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की स्मृति में भोपाल में पॉर्क भी बनेगा और उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि बिहार ने धर्म, आध्यात्म से लेकर संस्कृति को अक्षुण्य बनाने का कार्य किया है। दुनिया को लोकतंत्र की शिक्षा देने का कार्य बिहार ने किया है। बिहार के वैशाली गणराज्य ने दुनिया को सबसे पहले लोकतंत्र की शिक्षा दी है। देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वालों को बिहार ने ही सबक सिखाने का कार्य किया है। बिहार के लोग अपनी कर्मठता, कर्मशीलता, मेहनत और विश्वास से दुनिया के कई देशों में स्थापित हैं। भोजपुरी समाज के लोग भोपाल के साथ मध्यप्रदेश के लिए बड़ी ताकत हैं। बिहार शासन के मंत्री श्री राजू कुमार सिंह ने कहा कि देश के विकास में बिहार समाज का अभूतपूर्व योगदान रहा है। भोजपुरी समाज के समर्पण और साधना की चर्चा पूरे देश में होती है।

फिरंगियों के खिलाफ सबसे पहले आवाज बिहार से ही उठी थी। देश और बिहार के विकास के लिए एनडीए का साथ दें।

सदियों पुराना है मध्यप्रदेश और बिहार का नाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार एक स्वतंत्र राज्य के रूप में भले ही 1912 में अस्तित्व में आया हो, लेकिन मध्यप्रदेश से उसके ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। मौर्य काल में जब सम्राट पाटलिपुत्र में बैठते थे, तो भावी सम्राट अवंतिका में बैठकर शासन व्यवस्था संभालते थे। उस काल में सम्राट अशोक ने भी अपने जीवन के 10 वर्ष अवंतिका में बिताए थे। विधर्मियों ने जब राजा भोज के साम्राज्य पर आक्रमण किया, तो यहां के लोगों ने अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए बिहार में ही शरण ली थी। हमें यह बताते हुए गर्व की अनुभूति होती है कि भोजपुरी बोली भी राजा भोज से संबंधित है। बिहार के क्षत्रियों में उज्जैनिया ठाकुर के नाम वाली भी एक शाखा है, जो उज्जैन से बिहार के घनिष्ठ संबंधों को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि बिहार देश का इकलौता राज्य है जिसका नाम वृंदावन बिहारी यानी भगवान कृष्ण के नाम पर है। नरकासुर के वध के लिए भगवान कृष्ण द्वारका से बिहार होते हुए ही असम गए थे। भगवान राम और कृष्ण के नाम से ही हमारी संस्कृति चलती है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी हमेशा भगवान राम और कृष्ण का रास्ता रोकते रहे हैं। इन्हीं लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान आडवाणी जी की रथयात्रा को रोका था। आप सभी को यह याद रखना है कि जो राम का नहीं, वो किसी काम का नहीं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की दुनिया को शिक्षा देने वाले बिहार ने लोकतंत्र को बचाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। कांग्रेस पार्टी ने जब देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र पर प्रहार किया तो जयप्रकाश नारायण जी ने ही लोकतंत्र बचाने की अलख जगाई और उनके आह्वान पर ही देशभर में आंदोलन शुरू

-बिहार ने ही लोकतंत्र पर प्रहार करने वालों को सबक सिखाने का कार्य कियाः विष्णुदत्त शर्मा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, तो उस सरकार ने वहां के ऐतिहासिक स्थलों, नालंदा जैसे विश्वविख्यात विश्वविद्यालय और धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। सड़कें और हाइवे बनाए, आईआईटी और आईआईएम जैसे शैक्षणिक संस्थान खोले और बिहार को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया। आज बिहार नई करवट ले रहा है। ऐसे में देश में और बिहार में एनडीए की सरकार होना जरूरी है। इस मिलन समारोह में उपस्थित सभी भोजपुरी भाई-बहनें ये संकल्प लें कि आने वाले चुनाव में बिहार में एनडीए की सरकार बनाने के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार के सपूत पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने पं. जवाहरलाल नेहरू के मना करने के बावजूद सरदार वल्लभ भाई पटेल के आमंत्रण पर सोमनाथ मंदिर का उद्धाटन किया था। सनातन संस्कृति के संरक्षण में उनके इस योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की स्मृति में भोपाल में पॉर्क भी बनेगा और उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्टः सुशांत केस में हत्या के सबूत नही

मुंबई(एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है।

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपा गया। अब सीबीआई की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था। सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गई। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा। मैनेजर दिशा सालियान की भी हुई थी मौत सुशांत की मौत से कुछ दिन पहले ही 8 जून 2020 को उनकी मैनेजर दिशा सालियान की मौत मुंबई के मालाड स्थित बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। ये दोनों ही मौत संदिग्ध मानी गई थी। इसके बाद पिता सतीश सालियान ने आरोप लगाया कि दिशा की गैंगरेप के बाद हत्या की गई थी। लेकिन राजनीतिक दबाव में मामले को दबा दिया गया। शुरुआत में, दिशा के पिता को मुंबई पुलिस की जांच पर भरोसा था।

मोहन भागवत से मिले भाजपा अध्यक्ष नड्डा, औरंगजेब पर आरएसएस बोला-

आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते

बेंगलुरु(एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया के बीच रविवार को जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक बेंगलुरु में हुई। यहां 21 मार्च से आरएसएस की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक चल रही थी। बैठक का आज आखिरी दिन था।

सूत्रों के मुताबिक भागवत के साथ हुई मुलाकात में नड्डा ने पार्टी संगठन के चुनाव को लेकर चर्चा की। नड्डा 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए थे। उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था। इसके बाद लोकसभा, आंध्र, अरुणाचल, सिक्किम, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह से उन्हें एक्सटेंशन दिया गया।

लोकसभा चुनाव में पार्टी की लगातार तीसरी जीत के बाद नड्डा केंद्र सरकार में मंत्री बनाए

गए। एक व्यक्ति एक पद के मुताबिक उनकी जगह अब नया अध्यक्ष चुना जाना है। पार्टी के संविधान के मुताबिक 50 प्रतिशत राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पूरा हो जाने के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होता है। अभी 36 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में से 13 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं।

आरएसएस ने कहा- भाजपा सरकार पर संघ का दबाव नहीं इधर, आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक की समाप्ति के बाद आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहे विवाद पर अपना पक्ष रखा। होसबाले ने कहा- औरंगजेब जैसे आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते। हमलावर सोच देश के लिए खतरा है। इस पर चिंतन की जरूरत है। होसबाले ने कर्नाटक में सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में 4त्न मुस्लिम आरक्षण पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण स्वीकार नहीं किया गया है। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में आरक्षण को लेकर बिल पास किया है। कर्नाटक में भाजपा शासन के दौरान सरकार पर संघ का दबाव था। क्या मंत्रियों के निजी सहायक के रूप में संघ के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए दबाव बनाया जाता था।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये बेल्जियम के एंटवर्प शहर में एफ रेजीडेंसी कार्ड पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबूडा भाग गया था।

चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। मेहुल चोकसी बार- बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार देता था। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से गायब होकर पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया।

नागपुर हिंसाः 6 दिन बाद शहर से कर्फ्यू हटा

पुलिस तैनाती के साथ गश्त जारी रहेगी, शिवसेना बोली- उपद्रवियों का बांग्लादेश से संबंध

नागपुर(एजेंसी)। नागपुर में हिंसा के छह दिन बाद शहर में पूरी तरह से कर्फ्यू हटा लिया गया है। पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने रविवार को दोपहर 3 बजे से बाकी बचे कोतवाली, तहसील, गणेशपेठ और यशोधरा नगर पुलिस थाना इलाकों से कर्फ्यू हटाने का आदेश दिया।

हालांकि, संवेदनशील इलाकों में पुलिस तैनाती के साथ गश्त जारी रहेगी। इससे पहले 22 मार्च को पचपावली, शांतिनगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामवाड़ा जबकि 20 मार्च को नंदनवन और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों कर्फ्यू हटा लिया गया था। छत्रपति

संभाजीनगर (औरंगाबाद) से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने 17 मार्च को पूरे महाराष्ट्र में प्रदर्शन किया था। इस दौरान नागपुर में हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। इस लेकर विवाद हो गया, जिसने बाद में हिंसा का रूप ले लिया। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में हरे रंग की चादर जलाई गई, जिस पर कुरान की आयतें लिखी हुई थीं। हिंसा भड़कने के बाद शहर के 11 पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। हिंसा में डिप्टी पुलिस कमिश्नर स्तर के तीन अधिकारियों समेत 33 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

फडणवीस बोले- जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाएंगे हिंसा के पांचवें दिन शनिवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा-हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा- पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया।

जम्मू के कठुआ में सेना-आतंकियों के बीच एनकाउंटर रुका, 7 साल की बच्ची घायल

हीरानगर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने 4-5 आतंकियों को घेरा

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू के कठुआ में नियंत्रण रेखा के पास हीरानगर सेक्टर में रविवार शाम 6:30 बजे आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। करीब तीन घंटा चला एनकाउंटर विजिबिलिटी कम होने की वजह से रोक दिया गया। सुबह होते ही ऑपरेशन दोबारा शुरू होगा। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। साथ ही इलाके से सटे पंजाब के जिलों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया एलओसी से करीब

5 किमी दूर सान्याल गांव में 4-5 आतंकी छिपे होने की खबर थी। इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। तभी आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने बच्ची और उसके माता-पिता को पकड़ लिया था। मौका मिलने पर महिला ने बच्ची समेत भागना शुरू कर दिया। आतंकियों ने उसे गोली मारने की धमकी दी, लेकिन वो दोनों भागती रहीं। इसके बाद महिला का पति भी आतंकियों के चंगुल से भाग निकला था।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्लिंटन व कमला की खुफिया फाइलों तक पहुंच खत्म की

वाशिंगटन, एजेंसी

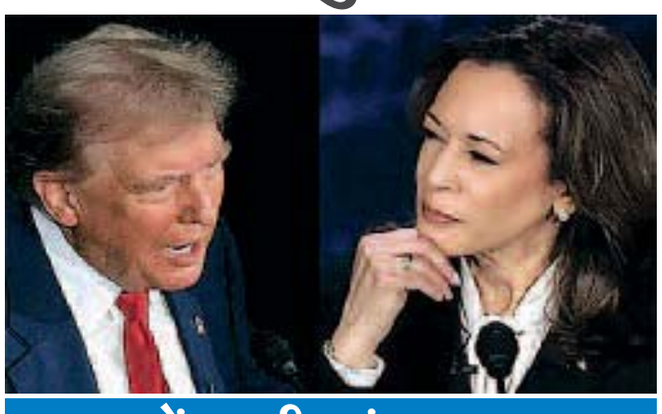

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डेमोक्रेटिक विरोधियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन और अन्य कई नेताओं की 'सिक्योरिटी क्लीयरेंस' रद्द कर दी है। इससे पहले ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ भी ऐसा ही एक्शन लिया था। ट्रंप के इस फैसले के बाद अब कमला हैरिस और क्लिंटन अमेरिकी सरकार से जुडी सीक्रेट फाइलों को नहीं देख पाएंगें. ऐसा करके ट्रंप ने पुरानी परंपरा को तोड दिया है। ट्रंप ने कहा कि मैंने ये फैसला लिया है कि अब ये लोग सीक्रेट फाइल तक पहुंच नहीं सकेंगे. क्योंकि इनकी यहां तक पहुंच अब राष्ट्रीय हित में नहीं है।

हालांकि, ये फैसला तत्काल रूप से लागू नहीं होगा लेकिन इस कदम ने अमेरिका में सियासी हलचल बढ़ा दी है। दरअसल, ट्रंप का ये कदम इसलिए चर्चा में है क्योंकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पारंपरिक रूप से खुफिया ब्रीफिंग मिलती रही है ताकि वे मौजूदा राष्ट्रपतियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति पर सलाह दे सकें। हालांकि, बाइडेन ने भी ट्रंप के लिए 2021 में इसी तरह की पाबंदी लागू की थी। अब ट्रंप कई काम कर रहे हैं, जिनमें से एक है कई गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करना। ट्रंप प्रशासन ने हाल में राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की साल 1963 में हुई हत्या से जुड़ी फाइल्स जारी कीं. इसके अलावा वियतनाम से जुड़े पेंटागन पेपर भी ट्रंप पहले कार्यकाल में ही डीक्लासिफाई कर चुके ताकि जनता को कई नई बातें पता लगें।

बरसों पुरानी परंपरा समाप्त

डिज्नीलैंड में महिला ने 11 वर्षीय बेटे की हत्या की

नई दिल्ली। एक हैरान करने वाले मामले में अमेरिका में भारतीय मूल की महिला पर डिज्नीलैंड में तीन दिन की छुट्टी के दौरान 11 वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या करने का आरोप लगा है। महिला का नाम 48 वर्षीय सरिता रामाराजू बताया गया है। दरअसल, ऑरेंज काउंटी, कैलिफोर्निया के जिला अटॉर्नी के कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि अगर सभी आरोपों में दोषी पाई जाती है तो उसे अधिकतम 26 साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। रामाराजू 2018 में तलाक लेने के बाद कैलिफोर्निया से बाहर चली गई थी। वह सांता एना के एक मोटल में अपने बेटे के साथ रह रही थी। उसने डिज्नीलैंड के लिए तीन दिवसीय पास खरीदे। जिस दिन रामाराजू को मोटल से चेक आउट करके लड़के को उसके पिता को लौटाना था, उसने सुबह कॉल करके बताया कि उसने अपने बेटे को मार दिया है और खुद को मारने के लिए गोलियां खा ली हैं.

मौसम में बदलाव जानलेवा भी, कहीं बारिश व बिजली से मौतें, घर तबाह

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी

मौसम में हाल के दिनों में आया आंधी पानी वाला बदलाव कई जगह जानलेवा भी हो गया है। 24 घंटों में ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर बारिश, आंधी और बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 67 अन्य घायल हो गए और 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं आज देश के 17 राज्यों में बारिश की संभावना है। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और नॉर्थ ईस्ट के राज्य शामिल हैं। जबकि मध्यप्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का दौर आज से थम जाएगा। वहीं, अगले 3 दिन तक पारे में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, मप्र में अब 25-26 मार्च से प्रदेश में नए सिस्टम का असर देखने को मिलेगा क्योंकि जल्द वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। यह पहले हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा।

सामान्य से अधिक गर्मी: इस बार मौसम विभाग ने 2025 में भी सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान जताया है। ये हालात हीटवेव की गंभीरता दिखा रहे हैं। उधर सस्टेनेबल फ्यूचर कोलाबोरेटिव, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया और किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं की साझा रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत एक्स्ट्रीम हीटवेव झेलने के लिए तैयार नहीं है हीटवेव लंबे समय तक बने रहने से ज्यादा मौतें होने की चेतावनी है।

मप्र में बारिश के आसार नहीं

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विद्युत अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

बकाया विद्युत बिलों की वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विद्युत अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न बकाया विद्युत बिलों की वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश रायसेन, 21 मार्च 2025 जिला स्तरीय विद्युत अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शासकीय कार्यालयों, संस्थाओं के बकाया विद्युत देयकों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत अधिकारी को निर्देश दिए कि बकाया विद्युत बिलों की वसूली में तेजी लाई जाए। बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा की जाए। साथ ही नियमानुसार कार्रवाई भी की जाए। विद्युत अधिकारी ने बताया कि विद्युत बिलों की वसूली करने तथा राशि जमा नहीं करने पर विद्युत कनेक्शन काटे जाने के दौरान कई बार विद्युत कर्मियों के साथ धमकी और मारपीट की घटनाएं हुई हैं। इस पर कलेक्टर द्वारा पुलिस अधिकारी को समन्वय कर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका समुचित प्रचार-प्रसार कराया जाए। समीक्षा के दौरा विद्युत अधिकारी ने बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं तथा कृषि उपभोक्ताओं के खाते फ्रिज किए जाने की भी कारवाई की गई है जिसमें बकाया विद्युत बिल राशि वसूली को गति मिली है। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित विद्युत वितरण कम्पनी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन कार्य की समीक्षा चना, मसूर और सरसों उपार्जन संबंधी समीक्षा कर दिए दिशा निर्देश

जिले में रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 अतंर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उपार्जन प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले में गेहूँ उपार्जन कार्य की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के निर्देशानुसार एफएक्यू गुणवत्ता का ही गेहूँ उपार्जित किया जाए। उपार्जन केन्द्रों पर समुचित व्यवस्थाएं हों तथा किसी भी प्रकार अव्यवस्था ना हो। गेहूँ उपर्जान के साथ ही उसका सुरक्षित भण्डारण भी सुनिश्चित कराया जाए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन कार्य प्रारंभ होने का विभिन्न माध्यमों से समुचित प्रचार-प्रसार कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने समर्थन मूल्य पर चना, मसूर तथा सरसों के उपार्जन की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को प्रभारी उप संचालक कृषि श्री दुष्यंत कुमार धाकड द्वारा पूर्व वर्ष में चना मसूर सरसों की खरीदी मात्रा एवं केन्द्रों के निर्धारण के संबंध में अवगत कराया गया। कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि उपार्जन कार्य में किसी प्रकार की असुविधा ना हो। समय पर पंजीयन एवं सत्यापन का कार्य पूर्ण कराएं। समय पर केन्द्रों का निर्धारण करें, केन्द्रों का निर्धारण करते समय उपार्जन नीति का पालन करें। केन्द्रों पर उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालन हेतु सतत निगरानी की जाए। जिला एवं ब्लाक स्तर पर नोडल अधिकारियों को नियुक्त किए जाने के भी निर्देश दिए गए।बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, विपणन तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से धनवंती बनी सशक्त

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बैतूल जिले की महिलाओं के लिए संबल बनी है। योजना के तहत प्रत्येक माह मिलने वाली 1250 रुपए की राशि से महिलाएं सशक्त होने के साथ ही परिवार का मजबूत सहारा साबित हुई है। योजना का लाभ प्राप्त कर महिलाओं ने घर में मुखिया का रुतबा भी हासिल किया है। जिला मुख्यालय के विनोबा वार्ड निवासी धनवंती साहू मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित होकर सशक्त बनी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। धनवंती ने बताया कि इस योजना के तहत उन्हें हर माह 1250 रुपए की राशि प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा दी गई लाड़ली बहना योजना की राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी है। वे सिलाई मशीन के माध्यम से अपने बच्चों और परिवार की जरूरतों को पूरा कर रही है। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना हमारे भैया द्वारा हमें सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए चलाई जा रही है। जब से हम महिलाओं को योजना का लाभ मिलना प्रारंभ हुआ है तब से हम अपनी जिंदगी खुशहाली के साथ जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी तरह अन्य महिलाओं को भी लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

विश्व ओरल स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दिलाई गई शपथ

सीहोर (निप्र)। विश्व ओरल स्वास्थ्य दिवस के अवसर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारियों शपथ दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि लोगों को मुंह के स्वास्थ्य, दांतों को मजबूत बनाने और मसूड़ों को बीमारियों से दूर रखने के प्रति जागरूक रखने के लिए हर साल 20 मार्च को ओरल हेल्थ डे मनाया जाता है।

जिला जेल में स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिला जेल बैतूल में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए गुरुवार को कैम्प का आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक श्री योगेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार दिया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से एमडी मेडिसिन डॉ. रोहित पराते, पीजीएमओ सर्जिकल डॉ. गौरव कंच, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति सूर्यवंशी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल शर्मा, ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षिता शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा हुरमाड़े, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनवर गिगानी ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में मेलनर्स श्री विशाल जेम्स एवं फार्मासिस्ट ग्रेड-02 जिला जेल बैतूल श्री सनद कुमार पण्डाग्रे एवं कर्तव्यस्थ जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों पर स्वास्थ्य मेले आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य में मेले में मरीजों की जांच एवं स्क्रीनिंग की गई तथा उपचार प्रदान किया गया। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि प्रत्येक माह की 14 एवं 21 तारीख को शहर के लेबर कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एवं गल्ला मंडी सहित सभी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाता है।

जिला अस्पताल में विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस मनाया

विदिशा (निप्र)। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस जिला चिकित्सालय विदिशा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. आरएल सिंह, डॉ. राकेश सक्सेना, डॉक्टर प्रमोद मिश्रा, बृजेंद्र छारी, डॉक्टर राकेश अहिरवार, डॉ. दीपक खरेलिया डॉ. पीसी मांझी, डॉ. आरती शर्मा. डॉ. श्रृष्टि सक्सेना सहित समस्त दंत विभाग द्वारा अस्पताल में एकत्रित मरीजों एवं उनके परिजनों को शपथ दिलाकर मरीजों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर आरएल सिंह नज ओरल हेल्थ एक मुख कैंसर है के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉक्टर राकेश सक्सेना ने बताया कि यह कार्यक्रम 10 दिवस तक मनाया जाएगा। जिसमे मुख जांच के साथ ही कैंसर के संभावित मरीजों को भी चिन्हित किया जाएगा।

पीएम आवास योजना का लाभ पाकर स्वयं के आशियाने में परिवार के साथ हंसी-खुशी जीवन व्यतीत कर रही हैं हितग्राही रजनी बाई

रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसके तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा-सीधा लाभ इन समुदाय के लोगों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की स्वयं के पक्के मकान के सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। रायसेन जिले के जनमन ग्राम चिलावाहा में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत श्रीमती रजनी बाई और उनके परिवार का स्वयं के पक्के मकान का सपना साकार हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए हितग्राही श्रीमती

रजनी बाई ने आवास पूर्ण होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उनके वर्षो पुराने सपने को साकार किया है। योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिलते ही पंचायत स्तर पर दस्तावेजों की पूर्ति होने के साथ ही आवास निर्माण प्रारंभ किया गया। जिसमें पहली किश्त की राशि मिलते ही उनकी मकान निर्माण की उम्मीद पक्की होने लगी। उनके द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर आवास निर्माण कार्य शुरू किया गया। मकान निर्माण आगे बढ़ने के साथ ही प्रगति के आधार पर किश्त की राशि मिलती गई और देखते ही देखते उनके सपनों का आशियाना पूरा होकर तैयार हो गया। हितग्राही ने बताया कि आवास निर्माण में कार्य करने पर मनरेगा के तहत उन्हें मजदूरी का भुगतान भी किया गया। हितग्राही श्रीमती रजनी बाई अपने पुराने दिनों की कठिनाई याद करते हुए बताती हैं कि वह एक खेतीहर मजदूर हैं। आवास निर्माण से पहले उनका परिवार कच्ची झोपड़ीनुमा घर में निवास करता था। जहां जीवन व्यतीत करना बहुत कठिन था। अब पक्का मकान मिलने से उनकी समस्याएं दूर हो गई हैं। पक्की छत वाली घर होने से उनकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ी है। नए आवास में परिवार के साथ हंसी-खुशी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, संबल कार्ड, पीएम उज्जवला योजना, लाड़ली बहना योजना सहित शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ उनके परिवार को मिल रहा है।

चना मसूर की खरीदी 25 मार्च से होगी प्रारम्भ

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर की खरीदी 25 मार्च से 31 मई 2025 तक की जायेगी। जिन किसानों ने चना एवं मसूर उपज का पंजीयन कराया है, वह स्लॉट बुकिंग कर चयनित स्लॉट की समय अवधि के अनुसार उपार्जन केन्द्रों पर सोमवार से शुक्रवार प्रातः 08:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक अपनी उपज विक्रय के लिए लेकर आ सकते हैं। किसानों से उपज की खरीदी चयनित स्लॉट में प्रदर्शित अधिकतम उपज मात्रा के अनुसार ही की जाएगी तथा स्लॉट की समयावधि समाप्त के बाद उपज की खरीदी नहीं की जायेगी। किसानों से उपार्जित फसल का भुगतान उनके आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में सीधे किया जायेगा। इसलिए सभी किसान अपने आधार नम्बर से बैंक खाता तथा मोबाईल नम्बर लिंक कराकर उसे अपडेट रखें ताकि भविष्य में असुविधा न हो।

मानव स्वास्थ्य परीक्षण अभियान का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इफको द्वारा विदिशा जिले के ग्राम सेऊ में राजेंद्र प्रसाद शर्मा मेमोरियल एजुकेशनल एंड पब्लिक सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से मानव स्वास्थ्य परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फिजिशियन डॉ. निर्मल चौरसिया, डॉ. ऋषिका धाकड़, डॉ. जगदीश समरवार, डॉ. अमित शर्मा, नेत्र परीक्षक श्री हरिओम सेन एवं इनकी टीम ने लगभग 300 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार मरीजों को इफको द्वारा निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का आयोजन इफको के क्षेत्रीय अधिकारी श्री कुमार मनेन्द्र के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ श्री जितेंद्र धाकड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री यशपाल रघुवंशी, जनपद सदस्य श्री अंशुज शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि श्री विकेश मालवीय मौजूद रहे।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सोहाने द्वारा जिला जेल का किया गया औचक निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। शुक्रवार को प्रधान जिला न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने द्वारा जिला जेल रायसेन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अनिल कुमार सोहाने द्वारा जेलों के लिए बनाए गए या जारी किए गए सभी नियमों, विनियमों, निर्देशों और आदेशों का पालन विधिवत किया जा रहा है तथा उन्हें लागू किया जा रहा है या नहीं, इस संबंध में निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला जेल में संचालित लीगल एड क्लीनिक एवं पुरुष एवं महिला बैरकों का भी निरीक्षण कर बंदियों को प्राप्त होने वाली मूलभूत सुविधाएं यथा रसोई घर, पीने के पानी, बैरकों में साफ-सफाई, बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं, भोजन व्यवस्था इत्यादि का भी जायजा लिया गया व आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि जेल में कुल 186 दंडित एवं विचाराधीन बंदी निरुद्ध हैं जिनमें से 170 पुरुष एवं 16 महिलाएं हैं जबकि जेल में बंदियों हेतु क्षमता 150 बंदियों की हैं। जेल में क्षमता से अधिक बंदी निरूद्ध है। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान दो बंदी ऐसे पाये गये जिनकी प्रकरणों में अधिवक्ता उपलब्ध नहीं थे। जिस पर तत्काल जेल लीगल एड क्लीनिक नामांकित पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से नियमानुसार आवेदन पत्र लिया जाकर उन्हें निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने की कार्यवाही की गयी। बंदियों से पृथक-पृथक व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याओं को जाना और निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश सहित श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन, श्री अनीस उद्दीन अब्बासी जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री आरके चौरे जेल अधीक्षक, श्री विनय खरे डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स (न्याय रक्षक) एवं श्री शुभम मालवीय असिस्टेंट एलएडीसीएस (न्याय रक्षक) उपस्थित रहे।

व्हील ग्लोबल फाउंडेशन अंतर्गत क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदिशा जिले में क्रियान्वित कार्यों की प्रगति कार्यों की समीक्षा की है। जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने विदिशा जिले में व्हील ग्लोबल फाऊंडेशन के अंतर्गत क्रियान्वित कार्यों को गंभीरता से करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि शिशु मृत्यु दर कम करने एवं कुपोषण को कम करने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में संबंधितों द्वारा जो कार्य किये जा रहे हैं, उसकी रिपोर्ट से जिला कार्यालय को भी अवगत कराया जाए। विदिशा जिले में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के सेवा प्रदाताओं द्वारा आईआईटी बॉम्बे के मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिए गए प्रशिक्षण उपरांत शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण कम करने के क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। गर्भवती माताओं एवं शिशुओं को प्रोटोकॉल अनुसार डोर टू डोर संपर्क और गृह भेंट कर स्वास्थ्य के स्तर में सुधार लाया जा रहा है। व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के राज्य स्तरीय सलाहकार श्री राज कुमार राय की उपस्थिति में आज गुरुवार को जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भारत सिंह राजपूत, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डीके शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व व्हील ग्लोबल फाऊंडेशन के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय मॉनीटर उपस्थित रहे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डीके शर्मा द्वारा व्हील ग्लोबल फाउंडेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला और श्री बीएस दांगी द्वारा जिले की अब तक की कार्य प्रगति से अवगत कराया तथा शेष कार्य को समय सीमा में किए जाने पर आवश्यक बिंदुओं से अवगत कराया गया। समीक्षा बैठक में आईआईटी बॉम्बे के अधिकारियों द्वारा वर्चुअली जुड़कर समीक्षा की गई एवं सुधार हेतु सभी मॉनिटरों को सुझाव दिये गए हैं कि प्रतिदिन कार्य कर रहे प्रतिभागियों की समीक्षा करते हुए उनका मार्गदर्शन करते रहें ताकि शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण को कम किया जा सके। समीक्षा दौरान यह भी बताया गया कि कार्य कर रहे प्रतिभागियों में से श्रेष्ठ कार्य करने वालों को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया जाएगा।

ओलंपियाड में चयनित 32 विद्यार्थियों व गुरूजन एवं अभिभावक सम्मानित हुए

विदिशा (निप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा प्रतिवर्ष ओलंपियाड का आयोजन किया जाता है विदिशा जिले में खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा व विषय के चयनित विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह अशासकीय सनराइजर्स स्कूल में आयोजित किया गया था। अतिथियों द्वारा जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले कक्षा और विषय वार मैरिट में चयनित 32 छात्रों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र के साथ-साथ एक-एक बैग, टिफिन, पानी की बोतल और कंपाक्स भी प्रोत्साहन के रूप में अतिथियों द्वारा भेंट करते हुए बच्चों का हौंसला अफजाई किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने कहा कि बच्चो की प्रतिभा में इस कार्यक्रम से निखार आया है। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को अति महत्वपूर्ण बताया। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने कहा कि जिले के श्रेष्ठ बच्चे देश स्तर पर जिले का नाम रौशन कर रहे है। उन्होंने राज्य एवं केन्द्र सरकार के द्वारा

शैक्षणिक गुणवत्ताओ में सुधार लाने के लिए विभिन्न स्तरो पर अध्ययन की सुविधा मिले इसके लिए सीएम राइज, पीएम श्री विद्यालय संचालित किए जा रहे है। इन सबका लाभ हम शिक्षा के माध्यम से प्राप्त कर स्वंय शिक्षित हो और विभिन्न क्षेत्रो में जिले का नाम रौशन करने की पहल करें। कार्यक्रम को श्री राकेश शर्मा ने भी सम्बोधित किया। जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए हो रहे नवाचारो से बच्चे लाभांवित हो खासकर शासकीय स्कूलो में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विशेष सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है अतः गुरूजनों का भी यह दायित्व है कि बच्चो के बौद्धिक विकास के लिए नवाचारो के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित करें। उन्होंने ओलंपियाड परीक्षा में पुरस्कृत होने वाले विद्यार्थियों, गुरूजनों और उनके अभिभावको को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे इसी प्रकार आगे की परीक्षाओं में भी अपनी ख्याति से जिले का नाम रौशन करेंगे। कार्यक्रम में डीपीसी श्री आरपी लखेर के द्वारा आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित किया गया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के तहत कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर खाद्य विभाग, नापतौल विभाग, एलआईसी बीमा कम्पनी, सहकारिता विभाग, बिजली विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं जागरूक करने संबंधी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य श्री सोमेन्द्र सक्सेना द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के संबंध में जानकारी दी गयी।

किसानों को बेहतर सुविधा देने कृषि उपज मंडी प्रबंधन ने की तैयारी

टीकमगढ़। कृषि उपज मंडी समिति प्रबंधन ने रबी सीजन की खरीदी को सफल बनाने के साथ साथ किसानों को बेहतर सुविधाओं देने की तैयारी कर ली है। यहां टीन सेड एवं ट्रॉली मार्ग को बिल्कुल साफ दिखाई दिए। रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। किसानों को स्वच्छ पेयजल मिले, इसके लिए 2 वॉटर कूलर लगाए गए हैं। वहीं मटकों को भी वाटर हाऊस के माध्यम से स्वच्छ पानी से भरा जाएगा। भोजन व नाश्ता की व्यवस्था मंडी प्रांगण में संचालित कैंटीन में रहेगी। मंडी समिति के सचिव ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि कृषक अपनी उपज को नीलामी के माध्यम से विक्रय करें और ऑनलाइन व नगद भुगतान पाएं। मंडी फार्म गेट के जरिए अपना पंजीयन करा सकते हैं।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में व्यापारियों ने रखा बाजार बंद

टीकमगढ़(राजधानी हलचल)।

नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में शनिवार को व्यापारियों ने बाजार बंद रखा। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को नगर परिषद के कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाया था। व्यापारियों का आरोप है कि इस दौरान नगर परिषद के कर्मचारियों ने उनका सामान भी लूट लिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया है। स्थानीय निवासी रामसिंह ने कहा कि नपा अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के दौरान पक्षपात किया है। छोटे-छोटे दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जबकि बड़े अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। चाय नाश्ता की दुकान चलाने वाले छोटे-छोटे दुकानदार बेरोजगार हो गए हैं। उनके सामने परिवार का भरण पोषण करने का संकट छा गया है। व्यापारियों ने नगर परिषद सीएमओ संजय वाल्मीकि को हटाने की मांग की है। विरोध को देखते हुए नगर में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। व्यापारियों ने नगर परिषद के सीएमओ को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

एसडीम के आश्वासन पर माने व्यापारी

नाराज़ व्यापारियों जब शाम तक नहीं माने तो मौके पर जतारा एसडीम संजय दुबे पहुंचे। जिन्हें तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया कि जिन लोगों की दुकानों में रखें सामान एवं उनके भवनों को नुकसान पहुंचाया गया है, उसकी भरपाई उन अधिकारियों से की जाए, जिन्होंने बगैर किसी सूचना के अतिक्रमण हटाया था। इसके साथ ही उन व्यापारियों सहित आम लोगों का पक्ष सुना जाए। जिन पर एकतरफा कार्यवाही की गई है। सभी की बात सुनकर एसडीम संजय दुबे ने सात दिन के भीतर मामले की जांच कराने की बात कही, साथ ही उन्होंने कहा कि दोषी अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाएगी। तब जाकर मामला शांत हो पाया।

विकास कार्यों के लिए स्वीकृत शासकीय राशि का किया जा रहा बंदरबाट

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सीसी सड़क घटिया सामग्री का किया उपयोग

पलेरा(राजधानी हलचल)।

ग्राम पंचायत नयागांव में सरपंच की लालच के कारण शासन की राशि का बंदरबांट किया गया है और लाखों की लागत से बनी हुई सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दी गई है। जहां प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को क्रियान्वित करने के लिए सड़क निर्माण किए गए है। अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ताविहीन सड़कों का निर्माण किया गया है। ऐसा ही मामला पलेरा जनपद की ग्राम पंचायत नयागांव का है। जहां 1 साल पहले एक सीसी रोड़ का निर्माण किया गया था। जो मुख्य मार्ग से भागचंद के मकान तक निर्माण कराया गया था, लेकिन अब वह उखड़ने लगी है। इसको लेकर ग्रामीण काफी आक्रोशित हैं। आपको बता दें कि ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर शासकीय राशि की होली खेली जाती है। पंचायत के जनप्रतिनिधि अपने चहेतों से ग्राम का विकास कार्य कराते हैं, जिससे ग्राम का विकास तो दूर, किए गए कार्य महीने दो महीने में अपनी गुणवत्ता बयां करने लगते है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत नयागांव का है, जहां लगभग एक साल पहले एक सीसी रोड़ का निर्माण कार्य सरपंच द्वारा कराया गया था। यह निर्माण कार्य सभी मापदंडों और गुणवत्ता के नियमों को तांक पर रखकर किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया, इतना हीं नहीं लगभग एक साल पहले बनी सीसी रोड आज धूल बनकर उखड़ती नजर आ रही है। और सड़क से गिट्टी अलग निकल कर बाहर आ रही है, साथ ही घटिया और कम सीमेंट व खराब सामग्री का उपयोग किया गया है। जिस कारण से सड़क अभी से उखड़ने लगी है, साथ में बनी हुई नाली भी जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो रही है।

आमजन को हो रही है परेशानी

इन तस्वीरों से साफतौर पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस सीसी रोड़ के निर्माण कार्य में कहां तक गुणवत्ता का ध्यान रखा गया होगा। अगर सूत्रों की माने तो गांव के सरपंच और सेक्रेटरी ने कुछ पैसे की लालच में आकर यह घटिया निर्माण कार्य कराया गया है। इस कारण आमजन का आवाजाही में कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस ओर किसी का ध्यान नहीं है।

ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

लगाते हुए बताया कि उनके यहां जो सरपंच द्वारा सीसी निर्माण कार्य कराया गया है वह पूरी तरह गुणवत्ता विहीन है, क्योंकि इस सीसी निर्माण कार्य में कम सीमेंट व खराब सामग्री का उपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि उनके गांव में काफी समय बाद कोई निर्माण कार्य किया गया है और वह भी घटिया निर्माण कार्य क्योंकि ऐसा इसलिए कहा जा सकता है। मात्र एक साल पहले बनी सीसी रोड हाथ से ही उखड़ गई, जिसमें कहीं न कहीं संबंधित इंजीनियर की कार्यशैली पर पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ की कुर्की की बड़ी कार्यवाही, 7 बाइकें जब्त

टीकमगढ़। मवई क्षेत्र में बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बड़ी कार्यवाही नबीन कुमार कार्यपालन अभियंता, रामनिवास गुर्जर सहायक अभियंता एवं वितरण केन्द्र प्रभारी मानवेन्द्र पटेल कनिष्ठ अभियंता मवई के मार्गदर्शन में लंबे समय से बिजली बिल जमा न करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं पर कुर्की की कार्यवाही की गई। बड़े उपभोक्ता जो लंबे समय लगातार नोटिस जारी एवं मौखिक समझाने के बावजूद भी बिजली का बिल जमा नही कर रहे थे, ऐसे उपभोक्ताओं पर कुर्की की कार्यवाही की गई, जिसमें 7 मोटर सायकलें जब्त की गई। इसमें जिन उपभोक्ताओं ने अपना बिल जमा कर दिया। उनका सामान वापिस कर दिया गया है। वितरण केन्द्र प्रभारी मानवेन्द्र पटेल की सभी वितरण केन्द्र के ग्राम लखौरा, जसबन्तनगर, मबई, कारी, स्याग, बडमाढई, रिगौरा, रानीपुरा, पपावनी, श्रीनगर, मोहनपुरा, लक्ष्मणपुरा, धजरई, मामौन, नारगुडा, बम्होरी नकीबन, कटेरा खैरा, सिनौनी ग्रामबासियों से अनुरोध है कि सभी अपना बिल समय पर जमा करें, जिससे कुर्की जैसी कार्यवाही से बच सकें।

जमीनी विवाद पर हुआ विवाद, पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक आरोपियों पर किया मामला दर्ज

टीकमगढ़। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रमपुरा में जमीनी विवाद पर आवेदक व्यक्ति के साथ गांव के लोगों द्वारा जाति सूचक शब्दों से गाली गलौज, धमकी व विवाद किया था। पीड़ित के आवेदन पर जांच के बाद पुलिस ने 9 आरोपियों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत रमपुरा गांव में खसरा नंबर 317/1 पर आवेदक ध्यानी अहिरवार की जमीन पर अनावेदक मेहरबान सिंह यादव द्वारा वर्ष 2021 से लगातार कब्जा करने व जमीन से कब्जा न छोड़ने पर आवेदक ने पुलिस थाने में आवेदन दिया था। पुलिस ने इस मामले की जांच उपरांत मेहरबान सिंह यादव, राजेंद्र सिंह यादव, महेंद्र सिंह यादव, विपिन सिंह यादव सहित 9 लोगों के खिलाफ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली-गलौज धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

कमरे में झूलता मिला व्यक्ति का शव, पुलिस ने की जांच शुरू

टीकमगढ़। दिगौड़ा कस्बा के मुख्य बाजार के पास एक मकान में आज शनिवार की शाम करीब 5 बजे 38 वर्षीय व्यक्ति का शव उसके ही कमरे में फदे से झूलता हुआ मिला। इस घटना की सूचना पर कस्बा में सनसनी फैल गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। कस्बा में हुई इस दर्दनाक घटना का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार दिगौड़ा कस्बा के धामना तिगैला निवासी अनिल साहू उम्र करीब 38 साल का शव उनके पुराने मकान में आज शाम को फंदे पर झूलता हुआ मिला। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए, उन्होंने पुलिस को इस घटना की सूचना दी। थाना प्रभारी नीरज लोधी ने पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंच कर कमरे व आसपास में जांच की गई। शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतक के पिता सीताराम साहू ने बताया है कि अज्ञात कारणों से अनिल ने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। आज सुबह अनिल के दो पुत्रों का रिजल्ट आया था और वह अच्छे नम्बरों से पास हो गए थे, जिससे अनिल को भी बहुत खुशी थी। इसके बाद वह पटवारी चौकीदार के साथ खेत पर भी गया था और वहां से घर वापिस आ गया था। शाम करीब 4 बजे वह घर से बैंक जाने की कहकर निकला था और शाम कुछ ही समय बाद इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिली। इस घटना को लेकर परिजनों को रोरोकर बुरा हाल है।

बिजली बिल वसूली के दौरान विद्युत कर्मियों पर हमला, किसानों ने पीटा

टीकमगढ़। मोहनगढ़ में बिजली बिल बकाया वसूली के दौरान शनिवार को कंपनी कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मोहनगढ़ विद्युत केंद्र के सहायक अभियंता नितिन बाथम ने बताया है कि कर्मचारी बटवाहा गांव में वसूली के लिए गए थे। एक किसान पर 54 हजार रुपए से ज्यादा का बकाया था। वहां देवेंद्र सिंह, लाखन सिंह और रविंद्र सिंह और पहाड़ सिंह (देवेंद्र सिंह के पुत्र) ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया। किसान ट्रैक्टर ले जाने से मना कर रहा था, जबकि बिजली कंपनी के अधिकारी जबरन ट्रैक्टर उठा कर ले जा रहे थे। इसी बात को लेकर देवेंद्र सिंह ने एक कर्मचारी के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद कर्मचारी जब थाने पहुंचे तो थाना प्रभारी ने रिपोर्ट दर्ज करने के लिए एसपी की अनुमति मांगी। इससे नाराज होकर विद्युत कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। वे सीधे एसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी कार्यालय ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बाद एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। विद्युत कर्मचारियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

टक्कर से महिला घायल, केस दर्ज

टीकमगढ़। दिगौड़ा थाना के ग्राम धामना के पास एक बाइक ने महिला में जोरदार टक्कर मार दी थी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। अस्पताल में उपचार करने के बाद पीड़िता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट की गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 21 फरवरी की शाम 6 बजे पीड़ित महिला चंदाबाई पत्नी केवट लाल अहिरवार निवासी धामना बाजार कर अपने घर जा रही थी, तो एक तेज रफ्तार बाइक एमपी 36 एमजे 8633 के अज्ञात चालक ने बाइक को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए पीड़ित महिला को टक्कर मार दी थी। इस घटना में पीड़ित महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। परिजन उसको जिला अस्पताल उपचार के लिए ले गए थे। उसके हाथ में फैक्चर आया था। वहां से उपचार करने के बाद पीड़ित महिला ने परिजनों के साथ घटना की रिपोर्ट की गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने बाइक के अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आराध्या ने जीता राज्य स्तरीय ओलंपियाड

टीकमगढ़(राजधानी हलचल)।

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के तत्वावधान में लीप फार वर्ड एवं निहार शांति पाठशाला फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर चौम्पियन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल के प्रगत शैक्षिक संस्थान परिसर में किया गया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पलेरा के शासकीय प्राथमिक शाला खरऊआपुरा कैम्पस शाला सीएम राइज पलेरा की कक्षा 2 की छात्रा कु. आराध्या अनिल मिश्रा ने जिले का प्रतिनिधित्व कर फाइनलिस्ट में दूसरे स्थान पर रहकर 6 प्रतिभागियों में अपनी जगह बनाई।

प्रतियोगिता के फाइनल फिनाले के सभी राउंड में आराध्या मिश्रा ने अपनी बढत बनाये रखी और अंततः प्रथम स्थान पर रहकर अंग्रेजी ओलंपियाड के स्टेट चौम्पियन की ट्राफी और गोल्ड मेडल, सर्टिफिकेटऔर अनेकों उपहार अपने नाम कर स्टेट चौम्पियन बनी। कुं. आराध्या मिश्रा मुम्बई में होने वाली राष्ट्रीय अंग्रेजी ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिभागी होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल नें भव्य सम्मान समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शी शिक्षक राम कुमार नायक को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा केंद्र से एपीसी (अकादमिक) मनोज कुमार गुप्ता, माडल स्कूल पलेरा से अंग्रेजी के नोडल शिक्षक बीएस राजपूत एवं बरिष्ठ शिक्षक राजीव जैन अभिभावक अनिल कुमार मिश्रा को कार्यक्रम में मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

आराध्या की इस उपलब्धि का श्रेय जिला परियोजना समन्वयक पीआर त्रिपाठी, संस्था प्राचार्य महेश रावत, बीआरसी भानू श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक कैलाश खरे, सीएसी कान्ताप्रसाद बाल्मीकि लीडर गफ्फार खान, शिक्षिका वंदना त्रिपाठी, अल्का तिवारी, रश्मि जैन, शारदा अहिरवार, प्रियंका एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्रा की माता अनीता मिश्रा और हाईस्कूल की छात्रा वहिन आरूषी मिश्रा को जाता है, जिन्होंने छात्रा को मार्गदर्शन दिया और मनोबल बढ़ाया।

पीट-पीटकर वृद्ध की हत्या करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टीकमगढ़(राजधानी हलचल)।

पुलिस थाना एवं देवरदा चौकी अंतर्गत सूरजपुर गांव में 60 वर्षीय वृद्ध की हत्या करने वाले आरोपियों को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसमें देवरदा चौकी प्रभारी अवनीश गिरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि मृतक गोरेलाल लोधी की उसके ही भतीजे अकलेश उर्फ अखिलेश पिता खलक सिंह उर्फ खलका लोधी उम्र 22 वर्ष एवं सुरेंद्र पिता आसाराम उर्फ आशु लोधी उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सूरजपुर के द्वारा हत्या की गई थी। इसमें बताया गया पारिवारिक विवाद के चलते गोरेलाल लोधी की बेरहमी से बीच सड़क पर पीट-पीटकर निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी थी। घटना शुक्रवार शाम 6 के करीब बेरहमी से मारपीट में घायल गोरेलाल लोधी को बल्देवगढ़ से जिला चिकित्सालय और वहां से झांसी मेडिकल के लिए रेफर किया गया था। जिसमें झांसी पहुंचने से पहले ही गोरेलाल लोधी की दर्दनाक मौत हो गई थी। जिस पर पुलिस के द्वारा हत्या का मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस के द्वारा शनिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद आरोपियों जेल भेजा गया है। उक्त आरोपियों को गिरफ्तार करने में बल्देवगढ़ थाना पुलिस स्टाफ एवं चौकी देवरदा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मां विंध्यवासिनी मंदिर एवं प्राचीन किला की जिले में विशेष पहचान, इसे स्वच्छ बनाए रखें : श्रोत्रिय

टीकमगढ़(राजधानी हलचल)।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के नेतृत्व में शनिवार सुबह 8 बजे से बल्देवगढ़ स्थित मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर की पहाड़ी पर जनसहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारीगण तथा स्थानीयजन स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुये।

कलेक्टर श्रोतिय ने जनप्रतिनिधियों, संबंधित अधिकारीगण तथा स्थानीयजनों के साथ मिलकर विंध्यवासिनी देवी मंदिर की पहाड़ी के चारों ओर फैले कचरे को साफ किया। उन्होंने इस संबंध में मंदिर समिति के सदस्यों से चर्चा की। समिति ने बताया कि श्रद्धालु प्रसाद की खाली पन्नियां और नारियल पहाड़ी पर फेंक देते हैं। कई लोग भंडारे के बाद दोने-पत्तल भी वहीं छोड़ देते हैं। इससे पहाड़ी के चारों ओर कचरा जमा हो गया था।

इस संबंध में कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने ग्राम दुर्गानगर में स्थानीय लोगों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर और पहाड़ी की सफाई बनाए रखें, इससे पर्यावरण की रक्षा होगी और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी अच्छा लगेगा। उन्होंने इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हैं। कोई भी सड़क पर प्लास्टिक या कचरा नहीं फेंकता, जिससे शहर साफ रहता है। उन्होंने मंदिर कमेटी और स्थानीय लोगों से पहाड़ी को स्वच्छ रखने की अपील की। साथ ही नगर वासियों को संदेश दिया कि सभी लोग अपने-अपने घर पर एक डस्टबिन जरूर रखें और निर्धारित समय पर कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें ताकि नगर को स्वच्छ बनाया जा सके।

इस मौके पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामगोपाल चौरसिया, मंडल अध्यक्ष नंदू चौरसिया, प्राण सिंह चौहान, तहसीलदार अरविंद यादव, नायब तहसीलदार ओपी गुप्ता, पलक जैन,नगर परिषद सीएमओ देवेंद्र आर्य, उपयंत्री संदीप मिश्रा, राकेश वर्मा, सफाई दरोगा, प्रेमलाल बुनकर समस्त सफाई कर्मी एवं ग्राम पंचायत सरपंच सचिव मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सदस्य एवं समस्त धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

मंदिर में सुरक्षा गार्ड रखने की मांग

मंदिर कमेटी के सदस्यों ने कलेक्टर से मंदिर में सुरक्षा गार्ड रखने की अपील की और एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें बताया गया की मंदिर में कई बार चोरी हो चुकी है, लेकिन आज तक कोई खुलासा नहीं हुआ है। उक्त घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर में एक सुरक्षा गार्ड लगाया जाए ताकि उक्त घटनाओं को रोका जा सके।

संपादकीय

सुनीता विलियम्स ने बनाया नया कीर्तिमान

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की सुरक्षित वापसी वैज्ञानिक उपलब्धि है ही, इससे भावी अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाएं और नई राहें खुलने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में नौ महीने रहने के दौरान सुनीता ने न तो अपना हौसला खोया और न ही अपना समय गंवाया। पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां वे कार्य करती रहीं। किसी न किसी दिन उन्हें लौटना है, इस विश्वास के साथ सदैव सकारात्मक रहीं। एक बार तो उन्होंने कहा भी कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। वैसे भी वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री सभी जोखिमों के लिए तैयार रहते हैं। जाहिर है कि सुनीता भी इसके लिए तैयार थीं। वे अंतरिक्ष में परीक्षण उड़ान पर गई थीं। आठ दिन बाद उन्हें लौटना था। तब यह नहीं पता था कि वापसी के समय स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आ जाएगी। अंतरिक्ष केंद्र में रहने के दौरान न केवल उन्होंने अपना अध्ययन जारी रखा, बल्कि कई अनुसंधान और प्रयोग भी किए। नौ महीने अंतरिक्ष में रहने का कीर्तिमान भी बनाया। इस बीच अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिए नासा ने पूरी ताकत लगा दी थी। तकनीकी दिक्कतें इतनी थीं कि अभियान अधूरा होता लग रहा था। मगर स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से सुनीता और बुच विल्मोर के साथ निक हेग और अलेक्जेंडर गोरबुनोव को भी फ्लोरिडा के तट पर उतार लिया गया। यह पहली बार है जब कोई अंतरिक्ष मिशन इतना लंबा खिंचा। जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर से दोनों अंतरिक्ष यात्री गए थे। वहां अटक जाने के बाद सुनीता और विल्मोर अंतरिक्ष केंद्र के पूर्णकालिक सदस्य की तरह हो गए थे। इस दौरान सुनीता ने कई कीर्तिमान अपने नाम किए। अंतरिक्ष में फंसे रहने पर उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। मगर इस दौरान उनसे भावनात्मक रूप से जुड़े रहे करोड़ों लोग उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना करते रहे। अब उनके लौट आने के बाद वैज्ञानिक अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों का गहन अध्ययन कर सकेंगे।

अवसाद और बेचैनी जैसी मानसिक समस्याओं से जूझ रहे बच्चे

(चेतनादित्य आलोक)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की 'मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल' नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्रायः प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। आजकल की भाग-दौड़ वाली दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण और विकराल होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य... इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली-मोहल्ला। इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। गौरतलब है कि इसके कारण बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूलसी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं। वे बात-बात पर क्रोध करने लगे हैं। उनकी बात नहीं सुनी और मानी जाए तो वे आपे से बाहर हो जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो अपने माता-पिता और अभिभावक के ऊपर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। जाहिर है कि ऐसे में उनके माता-पिता को यह समझ में ही नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते-कूदते, हंसते-मुस्कराते, गाते-गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि खेलने-कूदने और खाने-पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बैचेनी, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आज गंभीर से गंभीरतम रूप लेती जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की 'मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल' नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्रायः प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। इन समस्याओं में अवसाद, बेचैनी और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। एक अनुमान के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी लगभग एक तिहाई समस्याएं 14 साल की उम्र से पहले शुरू हो जाती हैं, जबकि इनमें से आधी समस्याएं 18 वर्ष से पहले सामने आने लगती हैं। तात्पर्य यह कि जब हमारे मासूम बाल्यावस्था से किशोरावस्था की ओर कदम बढ़ना आरंभ करते हैं, सामान्यतः उसी दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अलग?अलग समस्याएं उन्हें अपना शिकार बनाना शुरू कर देती हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 07 बच्चों में से एक बच्चा डिप्रेशन का शिकार है। आंकड़ों की बात करें तो देश के 14 प्रतिशत बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य खराब है। इसी प्रकार, 'इंडियन जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में वर्ष 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत में 05 करोड़ से अधिक बच्चे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। गौरतलब है कि इनमें से ज्यादातर बच्चे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का सामना कर रहे थे। यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग एंग्जाइटी से जूझ रहे हैं और 28 करोड़ लोग डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं। विज्ञान आधारित दुनिया भर में प्रसिद्ध जर्नल 'द लैंसेट साइकिएट्री' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में 75 प्रतिशत टीनएजर्स एंग्जाइटी और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। वहीं, 10 से 18 वर्ष की आयु के 64 प्रतिशत वयस्कों को तीन से अधिक बार खराब मानसिक स्वास्थ्य का दंश झेलना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार किशोरावस्था के दौरान लड़के-लड़कियों में कई प्रकार के हॉर्मोनल और शारीरिक बदलाव होते हैं। इसके कारण उनके सोच और व्यवहार में बदलाव आता है। इनके अतिरिक्त, उसी दौरान उन लड़के?लड़कियों को बोर्ड परीक्षाओं एवं कॅरियर को लेकर कोर्स सिलेक्शन जैसे दबावों और उहापोह वाली परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में, यदि उन्हें घर और स्कूल में उनके मनोनुकूल अथवा कहा जाए कि सहयोगी परिवेश नहीं मिले तो ये दबावों और उहापोह वाली परिस्थितियां प्रायः एंग्जाइटी और डिप्रेशन का रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार, जो बच्चे लगातार पढ़ाई-लिखाई नहीं करते हैं, वे परीक्षाओं के आने पर अक्सर दबाव में आ जाते हैं। वहीं, मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल बच्चों में फेलियर हैंडल करने की क्षमता भी कम होती जा रही है। कभी-कभी इसके कारण जेनेरिक भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं, हमारी प्रतिदिन की आदतों में शामिल हो चुके फास्ट फूड, शुगरी ड्रिंक्स और सोशल मीडिया जैसे तत्व भी भी एंग्जाइटी और डिप्रेशन का कारण बन रहे हैं। साल 2024 में नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई थी कि जंक फूड, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड एवं फास्ट फूड खाने से व्यक्ति में एंग्जाइटी और डिप्रेशन का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। उक्त अध्ययन के अनुसार इसका सबसे अधिक खतरा वयस्कों को होता है, क्योंकि फास्ट फूड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सबसे बड़े उपभोक्ता भी वही होते हैं। ऐसे ही, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में 2022 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार चीनी से बने अथवा शुगरी ड्रिंक्स भी का सेवन किशोरों के खराब मानसिक स्वास्थ्य की बड़ी वजह बन रहा है। जाहिर है कि एनर्जी ड्रिंक या कोल्डड्रिंक के नाम पर मिल रहे इस प्रकार के पेय पदार्थ एंग्जाइटी और डिप्रेशन का कारण बन सकते हैं। वहीं, साइंटिफिक जर्नल फ्रंटियर्स में 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ था कि जो टीनएजर प्रतिदिन 07 घंटे से अधिक समय तक स्क्रीन पर व्यतीत करते हैं, उन्हें डिप्रेशन का शिकार बनने की आशंका अन्य टीनएजर्स की तुलना में दोगुने से भी अधिक होती है। उक्त अध्ययन में यह भी बताया गया था कि यदि कोई सोशल मीडिया पर प्रतिदिन एक घंटे बिता रहा है तो प्रत्येक घंटे के हिसाब से व्यक्ति में डिप्रेशन के लक्षण प्रतिवर्ष 40 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

बीएमसी मेडिसिन में 2010 में प्रकाशित एक अध्ययन में यह पता चला था कि जो लड़के-लड़कियां किसी तरह के खेल, शारीरिक व्यायाम या फिजिकल एक्टिविटी में भाग नहीं लेते, उनके डिप्रेशन का शिकार बनने की आशंका अधिक होती है। उक्त अध्ययन में यह भी यह भी मालूम हुआ था कि प्रतिदिन एक घंटे शारीरिक व्यायाम या फिजिकल एक्टिविटी करने से डिप्रेशन एवं एंग्जाइटी का जोखिम 95 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि बच्चों का स्पोर्ट्स टाइम बढ़ाने और स्क्रीन टाइम घटाने का हरसंभव प्रयास किया जाए।

आधार कार्ड को वोटर आईडी से लिंक-चुनाव आयोग के लिए चुनौती

चुनाव आयोग वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ना चाहता है और इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है फर्जी मतदान को रोकना। मंशा चाहे जितनी भी सही हो, लेकिन इस काम में कानूनी से लेकर राजनीतिक तक, कई चुनौतियां हैं। विवादों के लंबे इतिहास को देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि कोई भी कदम सभी पक्षों को विश्वास में लेकर और जरूरत के हिसाब से उठाया जाए। साल 2021 में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन के बाद आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की अनुमति मिली। चुनाव आयोग ने तब जनता से उनके आधार नंबर मांगते हुए कहा था कि यह स्वैच्छिक है यानी जिसे दोनों डॉक्युमेंट लिंक करने हैं वह करे और जो नहीं चाहता, वह न करे। आयोग के पास 66.23 करोड़ आधार नंबर आ चुके हैं। हालांकि इन्हें अभी तक वोटर आईडी से लिंक नहीं किया गया है। वजह है 2023 में हुआ अदालती केस। सुप्रीम कोर्ट में जब यह मामला पहुंचा, तो यही आरोप लगाया गया था कि आयोग के अनुसार प्रक्रिया स्वैच्छिक है, लेकिन जानकारी जुटाने के लिए जो फॉर्म लागू किया गया, उससे यह बात पता नहीं चलती। यही सवाल अब भी कायम रहेगा। दूसरी बड़ी चिंता है लोगों की प्राइवेसी को लेकर। आज प्राइवेट डेटा लीक सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। जब आधार और वोटर आईडी का डेटाबेस मिल जाएगा, तो इसे सिक्योर करने की चुनौती भी ज्यादा बड़ी होगी। ऐसे सॉफ्टवेयर और टूल की जरूरत पड़ेगी, जिससे लोगों के मन में किसी तरह की आशंका न रहे। इस मामले के राजनीतिक पहलू पर नजर डालना भी जरूरी है। हाल में तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लिकेट वोटर आईडी का मुद्दा उठाया। इससे पहले भी तमाम प्रमुख दल अपनी चिंता जता चुके हैं। जाहिर तौर पर चुनाव आयोग का मकसद यही है कि डुप्लिकेसी को खत्म किया जाए और हर एक वोट वैध हो। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने विदाई भाषण में बायोमीट्रिक पहचान की खासियत पर बात की थी। लेकिन, मसला है कि अभी पूरी प्रक्रिया स्वैच्छिक है। अगर यह आगे भी स्वैच्छिक रहती है तो आयोग को पूरा डेटा कैसे मिलेगा और जब पूरा डेटा ही नहीं होगा तो डुप्लिकेसी को कैसे खत्म किया जाएगा।

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थानों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 3892

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 3891

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

वर्ग पहेली 5678

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1998 को यहां अफ्रिका ने वेस्टइंडीज को हराकर क्रिकेट का मिनी वल्स कप जीता (2)
3. भारत में पहला भाप इंजन पश्चिम बंगाल में स्थित यहां के रेल कारखाने में 1950 को बनाया गया (5)
7. पूंछ, दूम, संपूर्ण जाति का शुद्ध स्वरों का एक राग (2)
8. लुआबा, लासा (2)
9. दो की संख्या, निग्रह, मृत्युदेव (2)
10. नया आया हुआ (4)
12. जल की बूंद, राजस्थान का एक शहर (3)
13. अगर ऐसा न होगा तो (2)
14. पुरुष, मर्द (2)
15. निराश, नाउम्मीद, निरूत्साहित (3)
17. किसी नगर-कस्बे आदि का प्रवेश स्थल (2)
19. जल, बुनियाद, आदि कारण (2)
22. सहयोग, सहायता, इमदाद (3)
24. जो किया जाए, काम, क्रिया (2)
25. अज्ञात, अप्रसिद्ध (4)
26. माता सरस्वती का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे
1. ढलानयुक्त, अधोगामी, ढलवां (2)
2. कामचोरी करना (6)
3. दीपक, दीआ (3)
4. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध पार्श्वगायक (7)
5. भारतीय स्वतंत्रता सेनानी जो लोकनायक नाम से भी जाने गए (सिर्फ आरंभिकनाम)(5)
6. हल्का गीला, आंशिक आर्द्र (2)
11. प्रहार, हमला करने की क्रिया (2)
12. दृश्य (अंग्रेजी) (2)
16. नृत्य-गीत का मान, करतल ध्वनि (2)
18. आरजू, तमन्ना, हसरत (3)
20. इस नदी का एक नाम रेवा भी है (3)
21. गतिहीन, शक्तिहीन, लंगड़ा (2)
23. बल, कश, ताकत (2)
24. हाथ, हस्त, महसूल (2)

वर्ग पहेली 5677 का हल

लं	द	न		म	ले	शि	या
बो	ल		अ	जा	न		दें
द	प	ट	ना		दे	व	
र	ति		मि	ल	न	सा	र
		न	का	ब		मु	श्क
मा	ल	वा			मु	क्त	
शू		ग	र्द		क		शा
क	पू	त		क	री	ब	न

आज का राशिफल

मेष
आज बहुत व्यस्त रहेंगे और आपके तरक्की के योग बनेंगे। भागदौड़ करते समय सावधान रहें, आपके लिए आर्थिक मामलों में दिन सफलता से भरा होगा। पैसों के मामले में आप जो भी फैसले लेंगे, उनसे आपको फायदा होगा और आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे। आपको किसी काम में निवेश करना पड़े, तो दिल खोलकर करें।

वृष
आज लाभ होगा और आपकी हर योजना मन के अनुसार पूर्ण होगा। कुछ ऐसे खर्चे भी आ सकते हैं जो आपको मजबूरी में करने पड़ेंगे। आपको ससुराल पक्ष से सम्मान मिलेगा और आपका मन खुश रहेगा। आपका मन अपने व्यवसाय में लगेगा और रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आपको अगर किसी काम में निवेश करना पड़े, तो जरूर करें।

मिथुन
करियर के मामले में दिन अच्छा है और आपके सभी कार्य सरलता से पूर्ण हो जाएंगे। आपको सरकार की तरफ से सम्मान मिल सकता है, लेकिन अगर आप कोई लोन लेने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अभी रुकने की जरूरत है। यह वक्त सही नहीं है।

कर्क
आज भाग्य साथ देगा और आपका मन नई-नई चीजें खोजने में लगा रहेगा। आप जरूरत के हिसाब से ही खर्च करें और आपको अपने परिवार के लोगों से किसी प्रकार का धोखा हो सकता है। आपको सांसारिक सुख और नौकरों का सुख मिलेगा। आप शाम से रात तक आप छोटी यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद रहेगी।

सिंह
आज अच्छी खबर है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको मानसिक शांति बनी रहेगी और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और आपको प्रमोशन मिलने की संभावना है। आप दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे और आपके घर में रात में अचानक मेहमान आ सकते हैं, जिससे काम बढ़ सकता है। पैसों के मामले में भी शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कन्या
आज दिन शुभ है और आपके लिए धन में वृद्धि होगी। आपकी संपत्ति बढ़ेगी और आपके लिए तरक्की के शुभ योग बन रहे हैं। आप दूसरों के बारे में अच्छा सोचेंगे और उनकी सेवा भी करेंगे और आपके साथ भी सब अच्छा होगा। आपको नए कामों में निवेश करना शुभ रहेगा।

तुला
आज फिजूलखर्ची से बचना चाहिए, अगर आप किसी बीमारी से परेशान हैं, तो आज आपकी तकलीफ बढ़ सकती है। आपके जीवन में समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपके जीवन में सफलता के संयोग बन रहे हैं। सामाजिक कामों में रुकावट आ सकती है आपको अपनी संतान की तरफ से अच्छी खबर मिलेगी। शाम से रात तक गाने-बजाने और संगीत में मन लगेगा।

वृश्चिक
आज दिन मिला-जुला रहेगा। किसी कारण से मानसिक अशांति और उदासी के कारण आप परेशान हो सकते हैं और आपके लिए दिन राहत से भरा होगा। माता-पिता के सहयोग से दोपहर बाद आपको राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से नाराजगी हो सकती है, इसलिए मीठी वाणी बोलें, वरना रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। अगर आपको कोई परेशानी है।

मकर
आज निडरता का भाव रहेगा और आप दिल खोलकर निवेश करेंगे। आप साहस के साथ अपने मुश्किल काम पूरे कर पाएंगे और आपके जीवन में तरक्की के योग बनेंगे। माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है, जिससे वह परेशान रहेंगी और आपकी फिजूलखर्ची भी हो सकती है। आप दूसरों के बारे में अच्छा सोचेंगे, पर लोग आपको बुरा ही समझेंगे।

कुंभ
आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आपके ज्ञान और विद्या में वृद्धि होगी। आपके मन में दान-पुण्य और दूसरों की मदद करने की भावना जागेगी और आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। धार्मिक कार्य में रुचि लेंगे और पूरा सहयोग करेंगे। भाग्य भी आपका साथ देगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पेट का विकार होने की संभावना है। आपके कारोबार में सभी योजनाएं सफल होंगी।

धनु
आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपके लिए सफलता के योग बने हैं। आपकी मेहनत का फल अच्छा मिलेगा और आपके लिए धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। संतान के प्रति आपका विश्वास और मजबूत होगा। आज आपको ननिहाल से प्यार और सहयोग मिलने की संभावना है और आपको आप अपनी शान-शौकत पर धन खर्च करेंगे, जिससे आपके दुश्मन परेशान होंगे।

मीन
आज हर कार्य में सावधानी बरतने की सलाह है। आपका मन कुछ अशांत और परेशान रहेगा और व्यापार बढ़ाने की कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। शाम तक आप अपनी समझदारी और प्रतिभा से दुश्मनों पर जीत हासिल करने में सफल रहेंगे और आपको कानूनी मामलों में सफलता मिलने की उम्मीद है। आपके धन में वृद्धि के योग हैं। सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

हेलमेट पहना और बांध लिए सिलिंडर, पालघर में सामने आया खुदकुशी का अजीब केस

पालघर , एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर में खुदकुशी का एक बेहद अजीब मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने खुदकुशी करने के लिए खुद से कार्बन मोनोऑक्साइड का सिलिंडर बांध लिया। उसने घर के बाहर एक नोट भी छोड़ा था जिसमें लोगों को सावधान रहने के लिए कहा था। मामला पालघर के वसई क्षेत्र का है। पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के बंगले में कार्बन मोनोऑक्साइड के पांच सिलेंडर मिले हैं। उन्होंने बताया कि श्रेय अग्रवाल (27) ने गैस रिसाव से बचने के लिए खिड़कियों और दरवाजों को चिपकने वाले टेप से सील करने का काफी प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि श्रेय अग्रवाल का शव बुधवार शाम को बरामद किया गया। दरअसल कार्बन मोनोऑक्साइड गैस कई बार साइलेंट किलर का काम करती है। कार्बन मोनोऑक्साइड सांस के रास्ते फेफड़ों में पहुंचती है और फिर खून में घुल जाती है। कई बार कार्बन मोनोऑक्साइड की वजह से लोगों की सोते समय मौत हो जाती है। आम तौर पर सर्दियों में लोग अंगीठी जलाकर सोते हैं और यह कई बार जानलेवा साबित होती है। नायगांव पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि अग्रवाल ने हेलमेट पहना हुआ था और उसने बाहर एक नोट भी छोड़ा था, जिसमें अंदर आने वाले किसी भी व्यक्ति से लाइट न जलाने तथा अन्य सुरक्षा निर्देशों के बारे में कहा गया था। अधिकारी ने बताया, अग्रवाल ने खुद को कार्बन मोनोऑक्साइड सिलेंडर से बांध लिया था, जबकि उसके हाथ में दो सिलेंडर थे। उसने हेलमेट पहना हुआ था और सिलेंडर से जुड़ी नेबुलाइजर ट्यूब का इस्तेमाल करके मुंह से गैस अंदर ली थी। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

लोको पायलट ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

कोटा, एजेंसी। भारतीय रेलवे के 35 वर्षीय सहायक लोको पायलट ने कोटा के उवल विहार इलाके में स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लोकेश मालव का शव उसके भाई ने बृहस्पतिवार शाम को छत के पंखे से लटका हुआ पाया। सर्किल इंस्पेक्टर देवेश भारद्वाज के अनुसार, उसके भाई ने आरोप लगाया कि मालव ने अपने ससुराल वालों और पत्नी के दबाव में आकर आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि लोकेश मालव की पत्नी अपने चार वर्षीय बेटे के साथ उनसे अलग रह रही थी। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से मालव के अपनी पत्नी के साथ रिश्ते खराब हैं और उन्हें अपने बेटे से मिलने नहीं दिया जा रहा था। पुलिस ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 194 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, मालव के सहकर्मियों ने आरोप लगाया कि उसने अपने नियोक्ता की प्रताड़ना के कारण आत्महत्या की है।

नागपुर हिंसा को लेकर ताबड़तोड़ ऐक्शन; अब तक 99 लोग गिरफ्तार, 4 एफआईआर दर्ज

नागपुर , एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा को लेकर अब तक 99 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नागपुर पुलिस आयुक्त रविंदर सिंगल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरी घटना को लेकर निष्पक्ष जांच की जा रही है। सिंगल ने कहा, अब तक 99 लोग अरेस्ट हुए हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हमारी ओर से निष्पक्ष जांच जारी है। शुक्रवार की नमाज को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पूरे इंतजाम किए गए हैं। पूरी चौकसी बरती जा रही है। इस बीच, महाराष्ट्र पुलिस के साइबर सेल ने कहा कि नागपुर हिंसा के एक आरोपी ने सोशल मीडिया पर एडिटेड वीडियो शेयर किया था। उसने हिंसा का गुणगान भी किया, जिसके कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में दंगे फैले। साइबर सेल के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस लोहित मटानी ने बताया, फहीम खान ने औरंगजेब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के वीडियो को एडिट किया और शेयर किया। इसके चलते दंगे फैल गए। उसने हिंसक वीडियो का गुणगान भी किया था। आरोपी फहीम खान को 19 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे हिरासत में रखा गया है। खान माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी का नेता है। पुलिस ने सोमवार रात नागपुर में हुई हिंसा के संबंध में 4 एफआईआर दर्ज की हैं। छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ ता। इस दौरान पवित्र आयत लिखी चादर जलाए जाने की अफवाहों के बीच हिंसक भीड़ ने नागपुर के कई इलाकों में पथराव और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया। वहीं, स्थानीय अदालत ने इस सिलसिले में गिरफ्तार 17 लोगों को 22 मार्च यानी शनिवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजते समय अपराध की गंभीरता और प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ पुख्ता आरोप लगाए जाने का हवाला दिया।

कांग्रेस के सुनहरे दिन वापस लाएंगे राहुल गांधी ! जिला इकाई प्रमुखों से फीडबैक लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दिल्ली में कांग्रेस को मिली चुनावी हार के बाद पार्टी में फिर से जान फूंकने के लिए कमर कस चुके हैं। राहुल 27, 28 मार्च और 3 अप्रैल को देशभर के 750 से अधिक जिला इकाई प्रमुखों से सीधे कांग्रेस की जमीनी हकीकत जानेंगे।

राहुल गांधी जिला इकाई प्रमुखों की फीडबैक का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को फिर से पटरी पर लाने में इस्तेमाल करेंगे। करीब 250 के बैच में होने वाले इस संवाद से पहले अलग-अलग राज्य इकाइयां जिला स्तर पर रिक्त पदों को सक्रिय रूप से भरने में जुटी हैं। तीन दिवसीय संवाद के दौरान, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष स्थानीय टीम प्रमुखों से महत्वपूर्ण फीडबैक प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें उस पुरानी पार्टी में उनके नए महत्व का आश्वासन देंगे, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे बड़े राज्यों में खुद को पुनर्जीवित करने के लिए इच्छुक है। गांधी परिवार के गृह राज्य उत्तर प्रदेश में, पार्टी ने हाल ही में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सभी राज्य टीमों को भंग करने के महीनों बाद सभी 75 जिलों में जिला इकाई प्रमुखों की नियुक्ति की है। उत्तर प्रदेश में संगठन लंबे समय से पार्टी प्रबंधकों के लिए एक समस्या रहा है, जहां कांग्रेस के पास 403 विधायकों में से केवल 2 और 80 सांसदों में से मात्र 6 हैं। राहुल उन छह सांसदों में से एक हैं और भाजपा शासित राज्य में खोई जमीन को बरकरार रखने के लिए पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में जोश भरते दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि, राहुल गांधी संगठनात्मक पुनर्गठन की देखरेख कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के प्रभारी पूर्व एआईसीसी सचिव और यूपी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय कपूर ने कहा कि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा हमेशा उत्तर प्रदेश पर ध्यान केंद्रित करते रहे हैं। कुछ डीसीसी प्रमुखों को बरकरार रखा गया है, जबकि कई जगहों पर नए चेहरे लाए गए हैं। ये स्थानीय नेता अब आलाकमान के साथ अपने विचार साझा करेंगे और राज्य में पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए एक रोडमैप सुझाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय कपूर ने कहा कि,नए डीसीसी प्रमुखों की नियुक्ति सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए की गई है। वे नए लोगों को पार्टी में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जोश भरेंगे। पार्टी के मामलों में उनकी बात भी ज्यादा होगी। आने वाले दिनों में आप पार्टी में एक नया स्वरूप देखेंगे। उन्होंने कहा कि, अगले महीने एआईसीसी सत्र से पहले अन्य समितियों का भी गठन किया जाएगा। वहीं पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, एआईसीसी सत्र 2025 में कांग्रेस संगठन में किए जा रहे प्रस्तावित पुनर्गठन को औपचारिक रूप देगा। पिछली बार ऐसी स्थानीय स्तर की नियुक्तियां 2019 में की गई थीं, जब प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी की प्रभारी थीं। एक अन्य बड़े राज्य महाराष्ट्र में, कांग्रेस ने 2024 में 48 लोकसभा में से 14 जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन विधानसभा चुनावों में उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की खराब स्थिति आंशिक रूप से बूथ प्रबंधन में कमी और बीजेपी द्वारा कथित मतदाता सुची में हेर फेर के कारण हुआ है। हालांकि, पार्टी प्रबंधकों ने दावा किया कि, भले ही राज्य चुनावों में इसका स्ट्राइक रेट बहुत अधिक नहीं था लेकिन फिर भी कांग्रेस की महाराष्ट्र के अधिकांश जिलों में उपस्थिति है। महाराष्ट्र के प्रभारी एआईसीसी सचिव बीएम संदीप ने कहा कि, राज्य में कुछ खाली पदों को जल्द ही भर दिया जाएगा। कांग्रेस ने पूर्व में महाराष्ट्र की कमान संभाली थी और इसलिए अधिकांश जिलों में उसकी उपस्थिति है। पार्टी प्रबंधकों का कहना है कि, उनके लिए पार्टी विस्तार की गुंजाइश है। डीसीसी प्रमुखों को अब सशक्त बनाया जाएगा और जवाबदेही भी होगी। इसके लिए उनके साथ नियमित बातचीत करनी होगी। आलाकमान सीधे जिला प्रमुखों से दशकों बाद बातचीत कर रहा है। इसका निश्चित रूप से दूरगामी प्रभाव होगा।

97 करोड़ के घोटाले में भी आया था जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम, सीबीआई ने दर्ज किया था केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनके

आधिकारिक आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में कैश बरामद किया गया। यह खुलासा तब हुआ जब उनके घर में आग लगने की सूचना के बाद दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच की। बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने से एक पुराने आर्थिक घोटाले की परतें फिर से खुलने लगी हैं। यह घोटाला सिम्भौली शुगर मिल फ्रॉड केस से जुड़ा हुआ है, जिसमें जस्टिस वर्मा भी एक आरोपी के रूप में नामित थे। 2018 में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सिम्भौली शुगर मिल्स लिमिटेड के खिलाफ एक जांच शुरू की थी, जिसमें कंपनी पर ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स से लिए गए करोड़ों रुपये के ऋण को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप था। बैंक ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने किसानों के लिए जारी किए गए 97.85 करोड़ रुपये के ऋण का दुरुपयोग किया और इन धनराशियों को अन्य उद्देश्यों के लिए मोड़ दिया। मई 2015 तक इस घोटाले को संभावित धोखाधड़ी मानते हुए भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट कर दिया गया था। सीबीआई ने इस मामले में 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें यशवंत वर्मा 10वें आरोपी के रूप में सूचीबद्ध थे। उस समय, वह कंपनी के नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में कार्यरत थे। हालांकि, जांच धीमी होती चली गई और किसी बड़े कदम की घोषणा नहीं की गई। फरवरी 2024 में एक अदालत ने सीबीआई को बंद पड़ी इस जांच को दोबारा शुरू करने का आदेश दिया था। लेकिन इसके कुछ ही समय बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को पलट दिया, जिससे [illegible] की प्रारंभिक जांच को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया। इस फैसले के बाद, सिम्भौली शुगर मिल घोटाले से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की किसी भी जांच की संभावना खत्म हो गई।

साली के लिए बुलाई पंचायत, जेजेपी नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा के पानीपत में दुष्यंत चौटाला की पार्टी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता की माथे में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम को उसके पड़ोसी ने ही उन्हें गोली मार दी। हमला करने वाले ने जेजेपी नेता के अलावा उसके चचेरे भाई और एक अन्य साथी को भी गोली मार दी। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है जानकारी के मुताबिक जेजेपी नेता रवींद्र मिन्ना अपने घर के ही पास थे तभी पड़ोसी ने गोली चला दी। वह खून से लथपथ सड़क पर ही गिर गए। वहीं उनके चचेरे भाई भी गोली लगने की वजह से घायल हो गए। आरोपी की पहचान जागसी के रहने वाले रणबीर के तौर पर हुई है। रवींद्र के पैतृक गांव में वह पड़ोसी था। गोली मारने के बाद आरोपी तुरंत फरार हो गया। रिपोर्ट की मानें तो हाल ही में रवींद्र ने अपनी साली की शादी करवाई थी। हालांकि शादी के बाद पति और पत्नी के बीच विवाद हो गया और पति उसे ससुराल नहीं ले जाना चाहता था। इसी को लेकर विकास नगर में पंचायत बुलाई गई। पंचायत के दौरान ही बहस तेज हो गई और नौबत गोलीबारी पर आ गई। आरोपी ने तैश में आकर गोली चला दी और रवींद्र की मौत हो गई। बीते साल हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान जेजेपी ने रवींद्र को विधानसभा का टिकट दिया था।

भाजपा की राह पर चल पड़े शशि थरूर? मोदी की तारीफ के बाद इस तस्वीर ने मचाई खलबली

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के दिग्गज नेता और केरल से लोकसभा सांसद शशि थरूर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। हाल कि दिनों में उन्होंने सियासी पंडितों को बहस करने के ऐसे कई मौके दिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी केंद्र सरकार की कई मौकों पर तारीफ की है। अब उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ एक ही फ्लाइट में अगल-बगल की सीट पर बैठकर यात्रा कर रहे हैं। भाजपा नेता ने इस तस्वीर के मजेदार कैप्शन दिए हैं। उन्होंने लिखा, आखिरकार हम एक ही दिशा में चल पड़े हैं। भाजपा नेता ने शशि थरूर के साथ ली गई सेल्फी एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे मित्र और सहयात्री ने मुझे यह कहने पर शरारती कहा जब मैंने कहा कि हम अंततः एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। आपको बता दें कि दोनों नेताओं की यह सेल्फी शशि थरूर के रूस-यूक्रेन मुद्दे पर भारत के स्टैंड को लेकर दिए गए बयान के कुछ ही दिनों बाद आई है। शशि थरूर ने भारत की तटस्थ नीति को लेकर अपनी आलोचना पर अफसोस जताया था। भाजपा ने शशि थरूर के द्वारा भारत के रूस-यूक्रेन युद्ध को संभालने की सराहना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक समझदारी का समर्थन बताया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद रविशंकर प्रसाद ने थरूर की इस स्वीकारोक्ति का स्वागत किया। आपको बता दें कि

थरूर ने सरकार की तटस्थ नीति की पहले आलोचना की थी। रविशंकर प्रसाद ने कहा, मोदी सरकार वह निर्णय लेती है जो भारत के सर्वोत्तम हित में होते हैं। अगर अन्य कांग्रेस नेता भी इस बात को स्वीकार करें तो यह लाभकारी होगा। शशि थरूर मनमोहन सिंह की सरकार में विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने बीते मंगलवार को इस बात स्वीकार किया कि भारत की कूटनीति ने मोदी को रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने में मदद की। उन्होंने कहा, मैं अब अपना चेहरा पोंछ रहा हूं क्योंकि मैं उन लोगों में से था जिन्होंने फरवरी 2022 में भारत के स्टैंड की आलोचना की थी। शशि थरूर के इस बयान पर जब सियासी अटकलें तेज हुई तो उन्होंने अपनी बदलती राय का बचाव करते हुए कहा कि वह एक भारतीय के रूप में ऐसा कहा है, न कि एक राजनेता के तौर पर। आपको बता दें कि इससे पहले भी उन्होंने कई मौकों पर केंद्र सरकार की सराहना की है। इसके बाद से ही उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जाने लगी हैं। हालांकि उन्होंने ऐसी किसी भी संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में मिला नक्सलियों का रखा खजाना, एक इनामी समेत चार माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में 30 माओवादियों को ढेर करने के एक दिन बाद सुरक्षाबलों को शुक्रवार को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली, जब एक इनामी महिला नक्सली समेत कुल चार नक्सलियों ने सुकमा में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके अलावा एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने गरियाबंद के जंगलों में छुपाकर रखे नक्सलियों के एक खजाने को भी ढूंढ निकाला और वहां से लाखों रुपए की नगदी और विस्फोटक सामग्री बरामद की।

सुकमा में हुए आत्मसमर्पण की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में दो लाख रूपए की इनामी महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में चार नक्सलियों कलमू आयते (35), नुप्पो रघु (27), मड़कम कोना (22) और सोड़ी लच्छा (27) ने सुरक्षाबलों के सामने हथियार डाले हैं, इनमें से नक्सली कलमू आयते क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन की अध्यक्ष थी और उसके सिर पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवाद उन्मूलन और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर तथा नक्सलियों के अमानवीय व्यवहार, आधारहीन विचारधारा और उनके शोषण से तंग आकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन और पुनर्वास नीति के तहत सहायता दी जाएगी। गरियाबंद में मिला नक्सलियों का खजाना उधर एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने प्रदेश के गरियाबंद जिले में जंगल में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के खजाने को भी ढूंढ निकाला। यहां से उन्होंने आठ लाख रुपए की नकदी और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। इस बारे में शुक्रवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पंडरीपानी गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई आठ लाख रुपए की नकदी और अन्य सामान बरामद किया। उन्होंने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों के दल को गुरुवार को गश्त के लिए भेजा गया था। इस दल में एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे।

मुस्लिम संगठन का आह्वान- नीतीश और नायडू के इफ्तार और ईद मिलन का बहिष्कार करें मुसलमान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने शुक्रवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर रुख को देखते हुए वह नीतीश कुमार, एन चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान के इफ्तार, ईद मिलन और दूसरे कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा तथा दूसरे मुस्लिम संगठनों को भी ऐसा करना चाहिए। जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने एक बयान में आरोप लगाया कि ये नेता सरकार के 'संविधान विरोधी कदमों' का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, ''देश में इस समय जिस तरह के हालात हैं और खासकर अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों के साथ जो अन्याय और अत्याचार किया जा रहा है, वह किसी से छुपा नहीं है। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि खुद को धर्मनिरपेक्ष और मुसलमानों का हमदर्द बताने वाले नेता, जिनकी राजनीतिक सफलता में मुसलमानों का भी योगदान रहा है, वे सत्ता के लालच में न केवल खामोश हैं, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से अन्याय का समर्थन भी कर रहे हैं।'' मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अन्याय कर रहे नजरअंदाज मदनी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे नेता सत्ता की खातिर न केवल मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अन्याय को नजरअंदाज कर रहे हैं, बल्कि देश के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की

भी अनदेखी कर रहे हैं।

वक्फ विधेयक पर इनका रवैया दोहरा उन्होंने कहा, ''वक्फ संशोधन विधेयक पर इन नेताओं का रवैया इनके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। ये नेता केवल मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए दिखावे का धर्मनिरपेक्षता को अपनाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद मुस्लिम समुदाय के मुद्दों को पूरी तरह भुला देते हैं। इसी के मद्देनजर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने निर्णय लिया है कि वह ऐसे नेताओं के आयोजनों में शामिल होकर उनकी नीतियों को वैधता प्रदान नहीं करेगी।'' मदनी ने देश के अन्य मुस्लिम संगठनों से भी अपील की है कि वे भी इस सांकेतिक विरोध में शामिल हों और इन नेताओं की इफ्तार पार्टी और ईद मिलन जैसे आयोजनों में भाग लेने से परहेज करें।

एफएनजी एक्सप्रेसवे को मंजूरी, फरीदाबाद से उत्तर प्रदेश जाना होगा आसान

फरीदाबाद, एजेंसी। एनसीआर के शहर फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए अच्छी खबर है। इन दोनों शहरों को जोड़ने वाली फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद एक्सप्रेसवे (एफएनजी एक्सप्रेसवे) योजना को हरियाणा सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसका नक्शा भी पास कर दिया गया है। जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा। शुक्रवार को हरियाणा के बजट पर चर्चा को लेकर बुलाई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री विपुल गोयल ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, फरीदाबाद से रोजाना करीब एक लाख लोग नौकरी व अन्य कामों के लिए नोएडा-गाजियाबाद आवाजाही करते हैं। फरीदाबाद-नोएडा के बीच यमुना होने के कारण अभी कोई सीधी सड़क नहीं है। ऐसे में लोगों को नोएडा आने-जाने के लिए सड़क मार्ग से दिल्ली कालिंदीकुंज से जाना पड़ता है। आगरा नहर के साथ बनी इस सड़क पर सुबह-शाम जाम होने के कारण वाहन चालकों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है।

नोएडा अथॉरिटी ने तैयार की थी योजना : उत्तर प्रदेश की नोएडा अथॉरिटी ने करीब 20 साल पहले एफएनजी की योजना तैयार की थी। शहरों को नजदीक लाना मुख्य मकसद है। बहरहाल, उतर प्रदेश

सरकार ने अपने इलाके में इसके लिए सड़क का निर्माण भी काफी हद तक कर दिया है, लेकिन हरियाणा सरकार की तरफ से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया था। स्मार्ट सिटी में 500 बेड का ट्रॉमा सेंटर बनाया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने ईएसआई अस्पताल को 500 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित कर दिया है। प्रेस वार्ता में मंत्री ने यह जानकारी दी। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि यह ट्रामा सेंटर ईएसआई कार्ड धारकों के अलावा आम लोगों के लिए भी होगा। ट्रॉमा सेंटर बनने के बाद जिले की स्वास्थ्य सेवाएं काफी बेहतर होंगी।

यमुना पर 600 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा : विपुल गोयल ने बताया कि गांव लालपुर के पास यमुना पर 600 मीटर लंबा पुल बनाना प्रस्तावित है। इस पर आने वाली लागत हरियाणा और यूपी 50-50 फीसदी वहन करेंगे। इस पर जल्द काम शुरू होगा। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रकाश लाल ने बनाया कि प्रशासनिक स्तर पर मंजूरी के बाद सरकार को सेक्टर 28 अमृता अस्पताल से गांव ददसिया होते हुए यमुना पर एक 500 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा। यही रूट सरकार को मंजूरी के लिए भेजा गया है।

सार

आईओसी की नई अध्यक्ष कोवेंट्री के घर डकैती, 2 गिरफ्तार

हरारे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नव निर्वाचित अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री के माता-पिता के हरार स्थित घर पर सशस्त्र डकैती डालने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को जिम्बाब्वे की एक अदालत में पेश किया गया।

इन दोनों पर कथित तौर पर कोवेंट्री के कुछ खेल संबंधी यादगार वस्तुएं चुराने का आरोप है। न्यूज एजेंसी एपी (एसोसिएटेड प्रेस) की रिपोर्ट्स के मुताबिक, डकैती 10 मार्च को हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जॉन और माइक नहोंगवे पर 90 हजार डॉलर के सामान चोरी करने तथा कोवेंट्री के माता-पिता को बंदूक की नोक पर बंधक बनाने का आरोप है।

पैरा आर्चरी में चमकीं पायल नाग, बिना हाथ-पैर के भी रचा इतिहास

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में ओडिशा की पायल नाग ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से सभी को चौंका दिया है। बिना हाथ और पैरों के दुनिया की एकमात्र तीरंदाज पायल ने अपने हुनर और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर बाधा छोटी पड़ जाती है। जयपुर में हुई छठी पैरा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में उन्होंने देश की दिग्गज पैरा आर्चर शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। ओडिशा के बालंगीर जिले की रहने वाली पायल का जीवन संघर्षों से भरा रहा है।

तीरंदाजी प्रतियोगिता का मंत्री पुरी ने किया शुभारम्भ

सोनभद्र। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री भारत सरकार हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को विशिष्ट स्टेडियम तियरा में पहुंचकर भगवान बिरसा मुण्डा व स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर तीसरी तीरंदाजी प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया। केन्द्रीय मंत्री ने उपस्थित जनमानस व खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद सोनभद्र में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयेजन हो रहा है। जिसमें जनपद के ही नहीं देश व प्रदेश के प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं और अपने प्रतिभा को दिखा रहे हैं।

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। हम जीतने के लिए मैदान में उतरेंगे और कोई भी हमसे यह छीन नहीं सकता, यह कहना है पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का, जो आईपीएल 2025 में टीम को खिताबी जीत की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू पीसीए स्टेडियम में आयोजित मेटा क्रिएटर्स इवेंट के दौरान अपनी रणनीति और टीम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस खास इवेंट में डिजिटल जगत के चर्चित नाम, जैसे झुमरू (अरुण सिंह), केशव आशीष, आदित्य शुक्ला और सुकृति शामिल हुए।

केकेआर को 7 विकेट से हराया, कोहली-सॉल्ट ने अर्धशतक लगाए

विराट और सॉल्ट की साझेदारी से आरसीबी ने जीता पहला मैच

एजेन्सी, कोलकाता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल-18 का ओपनिंग मैच जीत लिया है। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हरा दिया। RCB ने KKR को 3 साल बाद हराया है। टीम को लगातार 4 हार के बाद जीत मिली है।

बेंगलुरु ने ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 175 रन का टारगेट 16.2 ओवर में चेज कर लिया। विराट कोहली 59 रन बनाकर नाबाद लौटे। कप्तान रजत पाटीदार ने 34 और फिल सॉल्ट ने 56 रन बनाए। कोलकाता से एक विकेट वरुण चक्रवर्ती को मिला।

बीसीसीआई ने कोहली को 'मोमेंटो' देकर सम्मानित किया

विराट कोहली खास क्लब में शामिल

विराट कोहली जब केकेआर के खिलाफ आईपीएल के पहले मैच में उतरे तो वह एक खास क्लब में शामिल हो गए। ये कोहली का टी20 का 400वां मैच था। भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने वाले प्लेयर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने 448 टी20 मैच खेले हैं। लिस्ट में दूसरे भारतीय दिनेश कार्तिक हैं, उन्होंने 412 मैच खेले हैं। कोहली 400 टी20 मैच खेलने वाले तीसरे भारतीय प्लेयर बन गए हैं।

खूब दहाड़े कोहली और फिल साल्ट

विराट कोहली आईपीएल 2024 के ऑरेंज कैप विजेता रहे थे, उन्होंने आईपीएल 2025 में भी अपनी लय को बरकरार रखा है। उन्होंने पहले ही मैच में 36 गेंद में 59 रनों की सधी हुई पारी खेली। उन्होंने फिल साल्ट के साथ मिलकर 95 रनों की सलामी साझेदारी की। साल्ट, जिन्होंने 31 गेंदों में 56 रन की तूफानी पारी से RCB को शानदार शुरूआत दिलाई थी। दरअसल इन दोनों ने मिलकर बेंगलुरु टीम का स्कोर पावरप्ले में ही 80 रन पर पहुंचा दिया था।

RCB के कप्तान रजत पाटीदार ने भी 16 गेंद में 34 रनों की पारी खेल अपनी टीम की जीत में बड़ा योगदान दिया। अंत में लियाम लिविंगस्टोन ने स्पेन्सर जॉनसन की गेंद पर RCB के लिए विनिंग शॉट लगाया।

आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ हैदराबाद जीत का दावेदार

एजेन्सी, नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में रविवार 23 मार्च को दो मुकाबले होने है पहला मुकाबला सनराइस हैदराबाद और राजस्थान रॉयल के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। अपने घरेलू मैदान पर पहला मैच खेल रही सनराइजर्स को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा हैं।

वहीं यह भी कहा जा रहा हैं कि अगर कोई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 के जादुई आंकड़े को छू सकती है, तो वह सनराइजर्स हैदराबाद है। इस टीम के पास विस्फोटक बल्लेबाजी क्रम और अनुभवी गेंदबाज हैं, जो किसी भी टीम को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शुमार ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन मौजूद हैं। ये खिलाड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस करने की ताकत रखते हैं। पिछले सत्र में सनराइजर्स ने तीन बार 250 से अधिक का स्कोर बनाया था, जिसमें आरसीबी के खिलाफ 287, मुंबई के खिलाफ 277 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 266 रन शामिल हैं। इस बार टीम 300 का आंकड़ा छूने के इरादे से उतरेगी।

टीम इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्से, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह।

शाम 7.30 बजे से शुरू होगा मुकाबला

हार्दिक पंड्या के बगैर सीएसके से भिड़ेगी मुंबई इंडियंस

एजेन्सी, नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में रविवार का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस का मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स होगा। यह मुकाबला शाम 7.30 बजे शुरू होगा। मुंबई इंडियंस अपने नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के बगैर चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगी। इसके अलावा, टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के कारण इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे, जिससे मुंबई इंडियंस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। यह मुकाबला चेन्नई के चेपॉक (एमए चिदंबरम स्टेडियम) में खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार हैं:

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी (विकेटकीपर), सी आंद्रे सिद्धार्थ, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

मुंबई में 24-28 मार्च को होगा का आयोजन

जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन 2025 के साथ होगी भारत में अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी

एजेन्सी, मुंबई

सात साल के लंबे इंतजार के बाद भारत में अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी होने जा रही है। 24 से 28 मार्च तक मुंबई के बॉम्बे जिमखाना में जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूनार्मेंट है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 53,500 अमेरिकी डॉलर होगी। टूनार्मेंट की शुरूआत इनडोर कोर्ट पर होगी, जबकि क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले फुल-ग्लास आउटडोर कोर्ट पर खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक अनुभव मिलेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में भारत के रमित टंडन, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, अनाहत सिंह और आकांक्षा सालुंखे जैसे शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके अलावा, फ्रांस, स्पेन, मिस्र, कनाडा, इंग्लैंड, अमेरिका, मलेशिया और जापान के खिलाड़ी भी चुनौती पेश करेंगे।

यह टूनार्मेंट इसलिए भी खास है क्योंकि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्क्वैश पहली बार शामिल होगा। इस मौके पर आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह, भारत के नंबर-1 स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन और भारत की नंबर 3 अनाहत सिंह ने इसकी आधिकारिक घोषणा की।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने कहा, हम भारत में स्क्वैश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह टूनार्मेंट भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर चमकने का अवसर देगा। भारत के नंबर-1 खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा, अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना शानदार अनुभव होगा। यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा स्क्वैश टूनार्मेंट है।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप

पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के नानजिंग में 2025 विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में महिलाओं के शॉट पुट फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करती संयुक्त राज्य अमेरिका की चेस जैक्सन।

मुक्केबाजी विवाद

'मुझे बुरा लग रहा है कि खिलाड़ियों को विवाद में घसीटा गया': पीटी उषा

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने खिलाड़ियों के विवादों में फंसने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मुद्दे उन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) अधिकारियों के बीच आपसी झगड़े के कारण चल रही महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप प्रभावित हुई है।

टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित असम की टीम को कथित तौर पर राज्य इकाई के सचिव हेमंत कलिता द्वारा इस टूनार्मेंट का बहिष्कार करने के लिए मजबूर किया गया था। कलिता को हाल में महासंघ प्रमुख अजय सिंह द्वारा बीएफआई के महासचिव के पद से निलंबित कर दिया गया था। उषा ने चैंपियनशिप के मौके पर कहा, 'मुझे बुरा लग रहा है कि खिलाड़ियों को विवाद में घसीटा गया है।'

'ऐसा नहीं होना चाहिए था'

उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं अंतिम समय के निमंत्रण स्वीकार नहीं करती, लेकिन मैं आई क्योंकि मैं चाहती थी कि यह प्रतियोगिता हो। मुक्केबाज लंबे समय से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं या शिविरों से दूर रहे हैं।

यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, खासकर अब जब मुक्केबाजी की लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए पुष्टि कर दी गई है, लेकिन मुझे उन खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है जो भाग नहीं ले सकी। ऐसा नहीं होना चाहिए था।' उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि खिलाड़ी यहां आएं और प्रतिस्पर्धा करें। मुझे खुशी है कि ऐसा हो रहा है। अब मुक्केबाजी लॉस एंजिल्स ओलंपिक का भी हिस्सा है।'

2036 ओलंपिक को लेकर आशावादी

उन्होंने कहा, 'मैं पहली महिला अध्यक्ष को देखकर बहुत खुश हूं और उम्मीद करती हूं कि वह खेलों में महिलाओं की बेहतरी के लिए काम करेंगी। जहां तक मुझे पता है, वह डोपिंग के सख्त खिलाफ हैं और मुझे उम्मीद है कि वह इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगी।' भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य बना रहा है और उषा आशावादी हैं। उन्होंने कहा, 'आईओसी में अब मेरे बहुत सारे दोस्त हैं और बहुत से लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि ऐसा हो, यह प्रधानमंत्री का विजन है और मैं इसे हकीकत बनाने में मदद करने की पूरी कोशिश करूंगी।'

महाभाग्य राजयोग कैसे बनता है

किसे मिलेगी तरक्की और धनलाभ

महाभाग्य योग से जातक मान, सम्मान, पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि पाता है। यह योग लग्न, चंद्रमा और सूर्य की विषम स्थिति होने पर बनता है।

कैसे बनता है महाभाग्य योग

किसी महिला की कुंडली में चंद्र और सूर्य की सम राशि यानी वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन राशि में होना चाहिए तब कुंडली में यह योग बनेगा। यदि किसी पुरुष जातक का जन्म लग्न, चंद्र और सूर्य की विषम राशि यानी कि मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि में होना चाहिए तब महाभाग्य राजयोग बनता है। यदि जन्म दिन में हो तो सूर्य का प्रभाव बढ़ जाता है। पुरुष की कुंडली में दिन का जन्म हो तो लग्न में मेष राशि में सूर्य और सप्तम तुला राशि में चंद्र हो तो महाभाग्य योग निर्मित होता है। स्त्री की कुंडली में कर्क लग्न में चंद्र और पंचम में सूर्य हो तो महाभाग्य योग बनता है। इसकी और भी कई स्थिति होती है।

वृषभ राशि - महाभाग्य राजयोग से आपके दिन पलट जाएंगे। नौकरी और करियर में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करेंगे। व्यापार में मुनाफा बढ़ जाएगा। अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। अचानक से धन प्राप्ति होगी या कोई बड़ा पद मिलेगा।

मिथुन राशि - आपके लिए यह महाभाग्य राजयोग आपके पराक्रम को बढ़ा देगा। अचानक से आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। दांपत्य जीवन में सुख बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो अटका रुपया हासिल करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी।

कर्क राशि - महाभाग्य राजयोग आपको लंबी यात्रा का सुख देगा। व्यापारी हैं तो विदेश से भी ला होने की संभावना बढ़ जाएगी। भूमी, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। करियर में सफलता हासिल होगी। नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति हो सकती है।

धनु राशि - आपके लिए यह राजयोग आर्थिक लाभ और महासुख लेकर आया है। व्यापारी है तो कोई बड़ी डील फायनल होगी। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी। बेरोजगार हैं तो नौकरी मिलेगी। करियर में अचानक से सफलता हासिल होगी।

घर पर हमेशा हंसते हुए लाफिंग बुद्धा क्यों रखे जाते हैं?

लाफिंग बुद्धा को फेंगशुई परंपराओं में खुशी, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। उनका सदैव मुस्कुराता हुआ चेहरा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और उनकी प्रसन्न मुद्रा घर एवं कार्यस्थल में शुभता लाने का संकेत देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसता हुआ क्यों रखना चाहिए? क्यों हैं?

उनकी हंसी केवल एक भाव नहीं हैं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक प्रतीकात्मकता रखती है। उनकी मुस्कान संतोष और आंतरिक शांति का प्रतीक है, जो यह दिखाती है कि सच्चा आनंद भौतिक सुखों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि आत्मिक संतुष्टि में निहित होता है। फेंगशुई के अनुसार, उनका हंसमुख चेहरा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता और सौभाग्य को आमंत्रित करता है। इसके अलावा, मान्यता है कि उनके पेट से सौभाग्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इस तरह लाफिंग बुद्धा न केवल खुशी का प्रतीक माना जाता है, बल्कि हमें जीवन को हल्केपन और प्रसन्नता से जीने की प्रेरणा भी देते हैं। यही नहीं लाफिंग बुद्धा को घर की सही दिशा में रखने से जीवन में सदैव समृद्धि बनी रहती है।

लाफिंग बुद्धा का इतिहास

लाफिंग बुद्धा का इतिहास एक चीनी बौद्ध भिक्षु बुदाई से जुड़ा है जो 10वीं शताब्दी में लियांग वंश के दौरान प्रसिद्ध हुए। बुदाई अपनी अनोखी जीवनशैली, दयालुता और सदा मुस्कुराते रहने के स्वभाव के कारण लोगों के बीच सम्मानित थे। उनकी हंसी और हंसमुख व्यक्तित्व ने उन्हें एक विशेष पहचान दिलाई। बुदाई हमेशा एक बड़े कपड़े के थैले के साथ चलते थे, जिसमें वे भोजन और उपहार रखते थे। वे इसे जरूरतमंदों में बांटते थे, जिससे वे उदारता और परोपकार के प्रतीक बन गए। उनका यह व्यवहार आत्मिक संतोष और त्याग का संदेश देता था। समय के साथ, उनकी छवि सिर्फ एक साधारण भिक्षु तक सीमित नहीं रही, बल्कि आनंद, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। आज, लाफिंग बुद्धा की मूर्तियों को सकारात्मक ऊर्जा, खुशहाली और सौभाग्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनकी छवि यह सिखाती है कि जीवन में सच्चा आनंद केवल भौतिक सुखों में नहीं, बल्कि संतोष, करुणा और दूसरों की भलाई में निहित होता है।

लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसते क्यों रहते हैं?

लाफिंग बुद्धा की मुस्कान केवल खुशी का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसमें गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक मान्यताएं छिपी हुई हैं। लाफिंग बुद्धा को आंतरिक शांति और संतोष का प्रतिनिधित्व करते हुए देखा जाता है। उनकी हंसी पूर्ण आत्मसंतोष को दर्शाती है, जो भौतिक इच्छाओं और चिंताओं से मुक्त होती है। फेंगशुई सिद्धांतों के अनुसार, लाफिंग बुद्धा की उपस्थिति नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर व कार्यस्थल में सकारात्मकता का संचार करती है।

उनकी मुस्कान इस बात की याद दिलाती है कि सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। हंसी और आनंद को ज्ञान प्राप्ति का एक आवश्यक तत्व माना गया है। लाफिंग बुद्धा की हमेशा प्रसन्न मुद्रा इस बात को दिखाती है कि वास्तविक आनंद बाहरी भोगों में नहीं, बल्कि मानसिक शांति में होता है।

घर पर लाफिंग बुद्धा रखने का महत्व

फेंगशुई के अनुसार, लाफिंग बुद्धा का सही स्थान पर रखना सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य को आकर्षित कर सकता है। घर पर लाफिंग बुद्धा रखने के कई फायदे हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा को सही दिशा में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक शांति और पारिवारिक सौहार्द भी बनाए रखता है।

लाफिंग बुद्धा की मुस्कुराती हुई मूर्ति घर के माहौल को हल्का और आनंदमय बनाती है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मान्यता है कि लाफिंग बुद्धा का स्थान जितना उपयुक्त होगा, उतना ही अधिक प्रभावशाली होगा। उदाहरण के लिए, इसे घर के मुख्य दरवाजे के पास रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होता है। वहीं, इसे ड्राइंग रूम या कार्यस्थल में रखने से सफलता और उन्नति के मार्ग खुलते हैं।

इसके अलावा, लाफिंग बुद्धा का हंसमुख स्वरूप हमें जीवन को प्रसन्नता और संतोष के साथ जीने की प्रेरणा देता है। यह मूर्ति केवल सौभाग्य का प्रतीक नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मिक संतोष की ओर भी संकेत करती है, जिससे जीवन अधिक सुखद और संतुलित बनता है।

घर की किस दिशा में रखें लाफिंग बुद्धा

घर या कार्यालय के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में लाफिंग बुद्धा की मूर्ति रखने से आपको आर्थिक सफलता मिल सकती है। यदि आप घर के लिविंग रूम में लाफिंग बुद्धा रखते हैं तो आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कार्यस्थल या ऑफिस डेस्क पर इसे रखने से करियर में उन्नति होती है और बाधाएं दूर होती हैं।

अलग लाफिंग बुद्धा का अलग है महत्व

यदि आप घर पर लाफिंग बुद्धा थैला लिए हुए हुए रखते हैं तो वो यात्रा, धन संग्रह और चिंताओं को दूर करने का प्रतीक माने जाते हैं। कटोरा लिए हुए लाफिंग बुद्धा हमेशा भौतिकवाद से मुक्ति और आध्यात्मिक मार्ग का संकेत होते हैं। सोने के सिक्कों के साथ लाफिंग बुद्धा आर्थिक समृद्धि और धन प्राप्ति का प्रतीक माने जाते हैं। बच्चों के साथ लाफिंग बुद्धा पारिवारिक सुख और संतान सुख का प्रतीक माने जाते हैं। हाथ में पंखा लिए लाफिंग बुद्धा नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सौभाग्य लाने का प्रतीक मानी जाती है। कछुए पर बैठे लाफिंग बुद्धा करियर में सफलता और स्थिरता प्राप्ति का संकेत देता है।

क्या होती है छठी इंद्री

छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।

मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।

यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।

छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।

छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।

प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।

मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।

मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है। त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।

ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।

यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

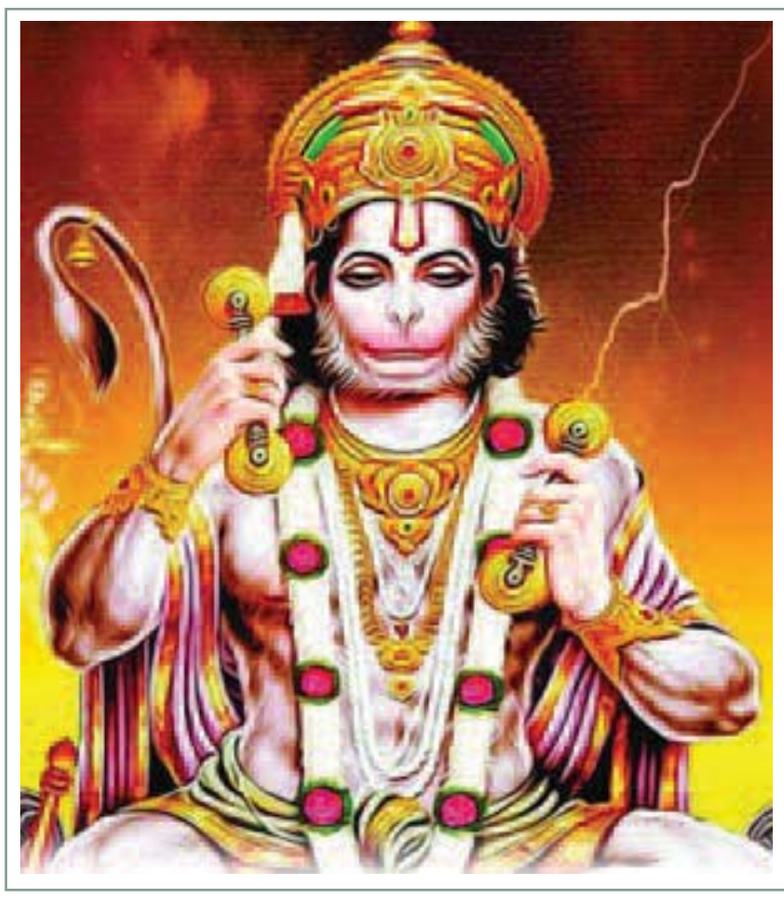

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है, लेकिन यह भी देखना होगा कि सपने में बजरंगबली आपको किस रूप और अवस्था में दिखाई देते हैं क्योंकि हर सपने के अलग अलग अर्थ होता है। हालांकि आमतौर पर हनुमानजी को सपने में देखने के अर्थ है कि उन पर आपकी कृपा बरसती है और वे कुछ संकेत देने चाहते हैं।

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है

सपने में हनुमान जी को देखना

सपने में हनुमानजी का सामान्य रूप देखने के अर्थ है कि उनकी आप पर कृपा प्रारंभ हो गई है। सपने में यदि आप हनुमानजी का मंदिर देंखे या मूर्ति दिखाई दे तो समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा प्रारंभ हो चुकी है। इस सपने का अर्थ है कि जल्द ही आपको बड़ी सफलता मिलने वाली है। यदि कोई कानूनी मामले हैं तो उसमें भी विजय मिलने की संभावना है। यह आपके सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाएगा।

सपने में बालाजी को देखना

बालाजी हनुमाजी का बाल रूप है। यदि आपको उनका बाल रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि बहुत जल्द ही कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिलने वाली है जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

सपने में बंदर को देखना

यदि आपको दो बार किसी बंदर के सपने आए तो आप समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा है।

सपने में हनुमान जी को गुस्से में देखना

यदि सपने में हनुमान जी का रौद्र रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि आपसे कोई बड़ी गलती हुई है। आपको क्षमा मांगकर अपनी गलती सुधारना चाहिए।

सपने में पंचमुखी हनुमान देखना

सपने में पंचमुखी हनुमान जी दिखाई देने के अर्थ है कि आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने वाली है। आप अपने शत्रुओं को हराएंगे।

सपने में हनुमानजी की पूजा करना

यदि सपने आप हनुमानजी जी की पूजा या भजन कर रहे हैं और उनके समक्ष प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं तो आपके सभी कार्य पूर्ण होने वाले हैं और आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

सपने में हनुमानजी का प्रसाद खाना

किसी किर्तन में बैठकर हनुमानजी का प्रसाद खा रहे हैं तो आप पर हनुमानजी की विशेष कृपा है।

सपने में श्रीराम जी के साथ हनुमान जी को देखना

यदि आपको सपने में हनुमाजी या श्री राम जी किसी भी प्रकार से दर्शन दे तो समझ लें कि उनकी कृपा है आप पर।

सपने में भूतों से नहीं डरना

सपने में सपने में आप किसी भूत को देंखे और उससे आपको डर नहीं लगे तो समझें कि हनुमानजी की कृपा आप पर है।

सपने में हनुमान जी को उड़ते हुए देखना

इस सपने का अर्थ ये होता है कि आने वाले दिनों में आपको सफलता के साथ ही आनंद की प्राप्ति होने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपका पद बढ़ने वाला है और इसी के साथ मान सम्मान भी बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो बड़ा फायदे मिलने वाला है।

सपने में हनुमान जी को चोला चढ़ाना

सके अर्थ है कि नौकरी और व्यवसाय में तरक्की होगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में ऊंचाई को छूएंगे। आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

सपने में हनुमान जी से बात करना

यदि आप किसी परेशानी से घिरे हुए हैं तो यह सपना इस बात का संकेत है कि आपको अपने किसी मित्र या परिजन से बात करनी चाहिए और समस्या का हल निकालने के लिए उनका साथ लेना चाहिए। आपकी दुविधा दूर होगी।

सपने में हनुमान जी का नाम लेना

इसका अर्थ है कि आप को कोई मदद मिलने वाली है और जल्द ही हनुमानजी आप पर कृपा करेंगे।

ग्रीन भारत एक्सपो का समापन: क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी में ही भविष्य: मंत्री सारंग

भोपाल राजधानी हलचल। राजधानी में पिछले तीन दिनों से चल रहे ग्रीन भारत एक्सपो का आज समापन हुआ। इलेक्ट्रिक व्हीकल और सोलर एनर्जी पर केंद्रित इस एक्सपो में देशभर की प्रतिष्ठित कंपनियों, निर्माताओं और संभावित निवेशकों ने भाग लिया। एक्सपो का आयोजन इमेजिन इवेंट और डिक्की द्वारा किया गया था।

खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने एक्सपो का समापन करते हुए डिक्की और इमेजिन इवेंट को इस आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी ही भविष्य की मांग है। हमें प्रकृति का संरक्षण करते हुए सतत विकास की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्रीन एनर्जी सिर्फ पर्यावरण संरक्षण का जरिया नहीं, बल्कि उद्यमिता और स्वरोजगार के अनंत अवसर भी प्रदान करती है। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने क्लीन और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में अपार संभावनाओं के द्वार खोले हैं। भारत में कई पहलें इस उभरते क्षेत्र में युवाओं को इनोवेशन और स्टार्टअप्स के लिए आकर्षित कर रही हैं। समापन समारोह में उन्होंने एक्सपो में भाग लेने वाली कंपनियों और प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

युवाओं के लिए नए अवसर- डिक्की के अध्यक्ष डॉ. अनिल सिरवैया ने बताया कि एक्सपो के जरिए युवाओं को ग्रीन एनर्जी सेक्टर में उद्यमिता के अवसरों से परिचित कराना प्रमुख उद्देश्य था। तीन दिनों में कई युवा और उद्यमी विभिन्न कंपनियों से जुड़े और व्यापार की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से सोलर स्टार्टअप्स को बेहतरीन बढ़ावा मिल सकता है, खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में। इमेजिन इवेंट के कल्याण कुशवाह ने बताया कि एक्सपो ने पर्यावरणीय समाधान और आर्थिक बचत के नए विकल्पों से लोगों को आकर्षित किया। विशेष रूप से शून्य निवेश पर सूर्यपति योजना ने जबरदस्त चर्चा बटोरी, जिससे घरों की बिजली मुफ्त करने की संभावनाएं खुलती हैं।

मुख्य आकर्षण- सौर ऊर्जा- बचत और बिजनेस का सुनहरा मौका

बिजली बिल से छुटकारा- सोलर सिस्टम अपनाने वालों को 30 साल तक मुफ्त बिजली का लाभ।

लाखों की सब्सिडी- सरकार की योजनाओं के तहत सोलर पैनल और लाइट्स पर सब्सिडी के आकर्षक विकल्प।

ई-व्हीकल्स की विस्तृत रेंज- घरेलू और कमर्शियल उपयोग के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रदर्शन।

समापन समारोह में श्री सुरेंद्र सिंह, डॉ. राजीव जैन, डिक्की के उपाध्यक्ष पंकज पाटिल, नरेश चौधरी, प्रमेश विनोदिया, मदन लाल खटीक, डा. आदिल बेग,रवि कुशवाहा, उमेश अहिरवार सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समापन समारोह के अंत में डा राजीव जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर गाइडलाइन में वृद्धि के खिलाफ फिर उठी आवाज

भोपाल.

प्रस्तावित कलेक्टर गाइडलाइन दरों में असमान्य वृद्धि के विरोध में, क्रेडाई ने पुनः प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप एवं विधायक भगवान दास सबनानी को पत्र सौंपकर गाइडलाइन के क्रियान्वयन को स्थगित करने तथा प्रस्तावित उपबंधों को निरस्त करने का आग्रह किया। यह पत्र 17 मार्च को प्रस्तुत किए गए विस्तृत प्रतिवेदन की निरंतरता में दिया गया, जिसमें गाइडलाइन दरों के निर्धारण में पारदर्शिता, तुलनात्मक डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता, और स्वतंत्र समीक्षा समिति के गठन की मांगें प्रमुख थीं।

क्रेडाई ने स्पष्ट किया कि प्रभारी मंत्री द्वारा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद, अब तक न तो वर्षवार क्लीन डेटा उपलब्ध कराया गया है और न ही संपदा पोर्टल या वेबसाइट पर स्पष्ट जानकारी नागरिकों को सुलभ कराई गई । चूंकि 22 मार्च को आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि थी, किंतु प्रक्रिया की अपारदर्शिता और सूचनाओं के अभाव में प्रभावी आपत्ति दर्ज कर पाना भी संभव नहीं हो पा रहा।

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा कि गाइडलाइन दरों की यह असंतुलित और अपारदर्शी वृद्धि केवल शहरी विकास ही नहीं, बल्कि आम नागरिक, किसान, उद्योग, व्यापारी और पूरे शहरी अर्थतंत्र के हितों पर सीधा आघात है। जब तक वैज्ञानिक विश्लेषण, क्लीन डेटा और संवाद आधारित प्रक्रिया सुनिश्चित नहीं होती, तब तक किसी भी प्रकार की दर वृद्धि लोकहित के विरुद्ध है।

क्रेडाई ने दोबारा उठाई पारदर्शिता और स्थगन की मांग

क्रेडाई की प्रमुख मांगें

1. गाइडलाइन दरों के क्रियान्वयन को स्थगित किया जाए जब तक समस्त हितधारकों को क्लीन डेटा उपलब्ध न हो।
2. दर निर्धारण प्रक्रिया को संवादात्मक, तथ्यपरक एवं पारदर्शी बनाया जाए।
3. सभी लागू उपबंधों को शीघ्र निरस्त किया जाए।

जल संसाधन के समुचित प्रबंधन से सिंचाई रकबे में निरंतर वृद्धिः मंत्री सिलावट

मोहनपुरा-कुंडालिया को 'सर्वश्रेष्ठ समन्वित जल संसाधन प्रबंधन' पुरस्कार मिलने पर दी बधाई

भोपाल राजधानी हलचल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नवीन सिंचाई योजनाओं के निर्माण और जल संसाधन के समुचित प्रबंधन से सिंचाई रकबे में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रदेश सरकार का संकल्प है हर खेत तक पानी पहुंचाना। यह प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि राजगढ़ जिले की मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना को जल संसाधनों के कुशल उपयोग, जल संरक्षण और कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए सीबीआईपी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एंड पावर) अवॉर्ड्स 2024 में 'सर्वश्रेष्ठ समन्वित जल संसाधन प्रबंधन' (बेस्ट आईडब्लूआरएम) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके लिए विभागीय अमला तथा क्षेत्र के किसान बधाई के पात्र हैं।

पुरस्कार गत दिवस नई दिल्ली में सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरीगेशन एंड पॉवर के ज्यूरी सदस्य ए के दिनकर, घनश्याम प्रसाद एवं डा.एम के सिन्हा द्वारा दिया गया है। पुरस्कार मुख्य अभियंता एवं परियोजना निदेशक जीपी सिलावट, अधीक्षण यंत्री एवं परियोजना प्रशासक विकास राजोरिया, परियोजना निदेशक शुभंकर बिस्वास ने प्राप्त किया। मंत्री सिलावट ने कहा कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश की अभिनव जल प्रबंधन प्रणाली और सतत कृषि विकास में योगदान को मान्यता देता है। यह सम्मान राज्य सरकार की दूरदर्शी जल प्रबंधन नीतियों और कुशल कार्यान्वयन का परिणाम है। पुरस्ड़कार जल संरक्षण और आधुनिक सिंचाई प्रणालियों के विस्तार को प्रोत्साहित करेगा। मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना की सबसे बड़ी खासियत 'रिजर्वायर से सीधे खेत तक' (रिजर्वायर टू फॉर्म) पानी पहुंचाने की नवीनतम तकनीक है। इस तकनीक में पारंपरिक नहरों के बजाय प्रेशराइज्ड पाइप लाइन नेटवर्क का उपयोग किया जाता है, जिससे पानी बिना किसी रिसाव और वाष्पीकरण के सीधे खेतों तक पहुँचता है। पाइपलाइन आधारित सिंचाई प्रणाली से जलाशय से निकलने वाला पानी बिना खुली नहरों के सीधे किसानों तक पाइपों के माध्यम से पहुँचाया जाता है, जिससे पानी का अपव्यय न के बराबर होती है।

मंत्री सिलावट ने कहा कि भूजल स्तर संतुलन, पर्यावरणीय संतुलन, जलभराव, मिट्टी कटाव और जैव विविधता संरक्षण के साथ ही जल प्रबंधन में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना ने मध्यप्रदेश को जल प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना दिया है। इस पुरस्कार से यह सिद्ध होता है कि नवीनतम तकनीकों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जल संसाधनों का उपयोग किया जाए, तो जल संरक्षण और सतत कृषि विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह परियोजना अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल बनेगी और जल संसाधन प्रबंधन में मध्यप्रदेश की भूमिका को और सशक्त बनाएगी।

वे नवाचार जिनके चलते मिला पुरस्कार

ऊर्जा दक्षता- पानी को खेतों तक पहुँचाने के लिए प्राकृतिक ढलान और पंपिंग सिस्टम का उपयोग किया, इससे कम ऊर्जा खपत के साथ किसानों को सिंचाई में अतिरिक्त लागत नहीं लगती।

ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई का समावेश- खेतों में ड्रिप और स्प्रिंकलर तकनीक को बढ़ावा दिया, जिससे किसान कम पानी में अधिक उत्पादन कर सकते हैं।

जलभराव और मिट्टी कटाव रोकथाम- पारंपरिक नहरों में होने वाले जलभराव और मिट्टी के कटाव की समस्या इस प्रणाली में समाप्त हो गई, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहता।

हर मौसम में जल उपलब्धता- यह प्रणाली रबी और खरीफ दोनों सीजन में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करती है, जिससे किसान अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं।

आईडब्लूआरएम सिद्धांतों का सफल क्रियान्वयन

परियोजना में जल संसाधनों के समुचित और समग्र प्रबंधन का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। आईडब्लूआरएम के तहत जल की उपलब्धता, कुशल उपयोग और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित की गई है। पारंपरिक नहरों की जगह प्रेशराइज्ड पाइप लाइनों से जल सप्लाई की। सभी जल उपभोक्ताओं को परियोजना से कृषि, पीने के पानी का समान वितरण किया। साथ ही उद्योगों के लिए भी जल आरक्षित किया गया। वहीं किसानों को आधुनिक कृषि और जल प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी, ताकि वे जल का बेहतर उपयोग कर अधिक उत्पादकता हासिल कर सकें।

जबलपुर की धरा पर निरंकारी संत समागम आयोजित

परमात्मा के प्रति हमारी भावना और विश्वास स्थिर रहने चाहिएः निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज

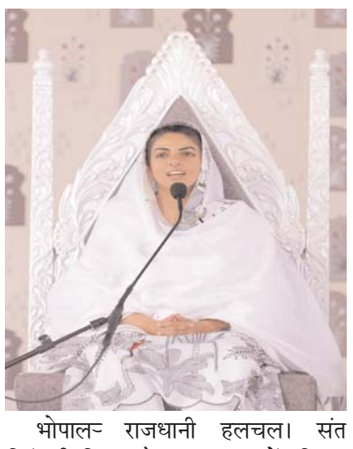

भोपालः राजधानी हलचल। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में रविवार को जबलपुर में एक भव्य निरंकारी संत समागम का आयोजन हुआ, जिसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से हजारों श्रद्धालु भक्तों एकत्रित हुए। यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में सम्पन्न हुआ, जो अपने साथ आध्यात्मिकता, प्रेम और विश्वबंधुत्व का संदेश लेकर आया।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा के प्रति हमारी भावना और विश्वास स्थिर रहने चाहिए, जैसे समुद्र की लहरें किनारों को नहीं डुबा पातीं। उन्होंने समझाया कि हमें दूसरों की कमियों के बजाय उनके गुणों को देखना चाहिए और उनके लिए दुआ करनी चाहिए, तभी मानवता में सच्चा प्रेम उत्पन्न होगा। भक्ति किसी विशेष समय या स्थान की मोहताज नहीं, यह हर पल, अकेले या परिवार के साथ, कहीं भी की जा सकती है– बस परमात्मा को हमेशा प्राथमिकता देने की भावना होनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे अगर हम किसी पर गर्म कोयला फेंकते हैं तो पहले हमारे ही हाथ जलते हैं, वैसे ही किसी को दुख देने की सोच हमारे लिए ही हानिकारक बनती है। इंसान अपनी सोच और कर्मों से फरिश्ता भी बन सकता है और दानव भी, जैसे एक ही चाकू डॉक्टर के हाथ में जीवनदायी होता है और दुष्ट के हाथ में विनाशकारी।

निरंकारी राजपिता रमित जी ने अपने विचारों में कहा कि परमात्मा को सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता, वह केवल मंदिर, मस्जिद या तीर्थों तक सीमित नहीं बल्कि सर्वत्र व्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि इंसान अक्सर परमात्मा को बाहरी रूपों में खोजता है, गुफाओं या पहाड़ों में ढूँढ़ता है, जबकि परमात्मा तो हमारे चारों ओर और भीतर भी विद्यमान हैं। राजपिता जी ने बताया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने के बाद इंसान जात-पात, अहंकार और %मैं-मेरी% के भ्रम से मुक्त होकर विनम्रता, समर्पण और सेवा के भाव में जीवन जीता है।

इस संत समागम में भजन, कविताओं और महात्माओं के प्रेरणादायक विचारों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया। भक्तजन इन भावनात्मक प्रस्तुतियों से भावविभोर हो उठे। आयोजन के दौरान लंगर, चिकित्सा सेवा, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाएं अत्यंत सुचारु रूप से संचालित की गईं, जिसमें स्थानीय प्रशासन का सराहनीय सहयोग रहा।

निरंकारी यूथ सिम्पोजियम

समागम से पूर्व 'दो दिवसीय निरंकारी यूथ सिम्पोजियम' का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन में युवाओं को आध्यात्मिकता से जुड़ने, सकारात्मक सोच अपनाने और सेवा की भावना विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं छह आध्यात्मिक तत्वों पर आधारित इस सारगर्भित विचार-सत्रों ने युवाओं को आत्मचिंतन, संतुलित जीवनशैली और उद्देश्यपूर्ण सोच की दिशा की ओर प्रेरित किया।

समागम के समापन अवसर पर जबलपुर के जोनल इंचार्ज श्री नवनीत नागपाल ने सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी का हृदय से आभार प्रकट किया। इसके साथ ही समागम में सम्मिलित हुए सभी संतों, युवाओं और स्थानीय प्रशासन के समर्पित सहयोग के लिए भी धन्यवाद प्रकट किया। निःसंदेह यह संत समागम न केवल एक आध्यात्मिक मिलन था, बल्कि सेवा, समर्पण और प्रेम की भावना से परिपूर्ण एक दिव्य संगम था, जिसने हर हृदय को आत्मिक शांति और आनंद से भर दिया।

पत्रकार भवन के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगाः विधायक राय

स्वर्गीय अंबा दत्त भारतीय स्मृति पत्रकार सम्मान से सम्मानित हुए पत्रकार

सीहोर राजधानी हलचल। सीहोर विधायक सुदेश राय ने कहा कि पत्रकार अंबादत भारतीय सीहोर जिले की पत्रकारिता की शान थे, जिन्हें पूरा जिला और प्रदेश पत्रकारिता की चलती फिरती पाठशाला की स्वीकृति प्रदान करता है। विधायक राय स्वर्गीय अंबा दत्त भारतीय स्मृति पत्रकारिता सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज को दिशा देने का काम करते हैं। उनकी नेगेटिव खबरों से हमें सीखने को मिलता है और वे हम राजनेताओं का मार्ग प्रशस्त करते है। विधायक श्री राय ने कहा कि मेरी इच्छा है कि जिले के पत्रकारों की बहु प्रतीक्षित पत्रकार भवन की मांग शीघ्र पूर्ण हो जिसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। लेकिन पत्रकारों को भी इस कार्य के लिए संगठन से ऊपर जाकर एकजुट होना पड़ेगा। मैं चाहता हूं कि जिले में ऐसा पत्रकार भवन बने जिसमें सभी संगठनों के बोर्ड लगे। विधायक राय ने ने स्वर्गीय अंबा दत्त भारतीय स्मृति पत्रकारिता एवं शोध संस्थान एवं जिला प्रेस क्लब को धन्यवाद देते हुए कहा कि पत्रकारों के सम्मान के लिए मूर्धन्य पत्रकार बाबा भारतीय की यादों को लम्बे समय से ताजा बनाए रखना प्रशंसनीय कार्य है जो प्रदेश में एक मिसाल है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत आईएएस आनंद कुमार शर्मा ने अपने प्रभावी संबोधन में पत्रकारिता का बहुत साफगोई से विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि जब वे सीहोर में एसडीएम थे तब उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री अंबा दत्त भारतीय को बहुत करीब से देखा। फक्कड़ स्वभाव के बाबा पत्रकारिता के मूल्यों के लिए सदैव सजग रहे। उस दौर में साक्षरता मिशन में बाबा भारतीय ने जो कार्य किया वह अविस्मरणीय है। इसीलिए उन्हें साक्षरता दूत की उपाधि प्रदान की गई। श्री शर्मा ने कहा कि बाबा भारतीय को इतने लंबे समय अक्षुण्ण रखने वाले शहर को मैं नमन करता हूं और खासकर बाबा के सच्चे शिष्य और अनुयायी रघुवर दयाल गोहिया को धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने इस गरिमापूर्ण समारोह में मुझे आमंत्रित किया। इस मौके पर उन्होंने अपनी शासकीय सेवा के दौरान पत्रकारिता के प्राप्त अनुभवों का जिक्र करते हुए कई रोचक किस्से भी सुनाए।

प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुधीर कुमार सक्सेना ने स्वयं को मिले राष्ट्रीय सम्मान के प्रति उत्तर में आयोजक संस्था को धन्यवाद देते हुए पत्रकारिता के प्रारंभिक कालखंड से वर्तमान दौर की पत्रकारिता का साहित्यिक अंदाज में विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की अवधारणा ऋषि नारद मुनि ने नहीं ऋषि वाल्मीकि ने लिखकर प्रारंभ की है। उन्होंने बाल्मीकि रामायण के पहले संस्कृत श्लोक की विस्तृत विवेचना करते हुए इसे स्पष्ट किया। श्री सक्सेना ने कहा कि पत्रकार को हमेशा अपने दायित्वों का बोध होना चाहिए और समाचार लिखते समय सभी तरह के पूर्वाग्रहों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति की सामाजिक समरसता पर फोकस करते हुए कहा कि सर्वधर्म सद्भाव ही भारतीय सभ्यता का स्वरूप रहा है। जब-जब भी इसे तोड़ने का प्रयास किया जाएगा तब तब भारतीय समाज पतन की ओर अग्रेषित होगा। उन्होंने अनेक प्राचीन कवियों का उदाहरण दिया और प्रभावी तरीके से अपनी बात रखते हुए कहा कि रामायण सीरियल के निर्माता रामानंद सागर ने रामायण प्रस्तुति के लिए राही मासूम रजा को चुना और उनकी जुगलबंदी में यह सीरियल कालजयी बन गया। उन्होंने स्वर्गीय अंबादत भारतीय की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि सत्तर के दशक में मैंने उन्हें भोपाल में पत्रकारिता से जुड़े देखा। वे निर्भीक, निडर और ईमानदार पत्रकार थे उन्होंने कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रणाम करता हूं सीहोर की पवित्र धरती को जहां गुरु शिष्य की इतनी सुंदर परंपरा आज भी कायम है। श्री सक्सेना ने आयोजन के संयोजक रघुवर दयाल गोहिया को इतने अच्छे आयोजन पर बधाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार एवं एन डी 24 के संपादक राघवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अंबा दत्त भारतीय का शिष्य हूं और उनके सानिध्य में अपने गृह गांव डोबी से मैंने ग्रामीण पत्रकारिता शुरू की। फिर भोपाल में दैनिक जागरण और भास्कर में लंबे समय तक काम करने का मौका मिला। बाबा को मैंने बहुत करीब से देखा। उनके जैसे पत्रकार वाकई में दुर्लभ हैं जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर पत्रकारिता को जिंदा रखने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि यह चिंतनीय पहलू है कि आज पत्रकारिता के मूल्यों में विश्वास का संकट है, भीड़ बढ़ी है लेकिन पत्रकारिता का दृष्टिकोण बहुत बदल गया है ।आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकार एकजुट होकर समाज को नई दिशा देने के लिए प्रखरता के साथ आगे आएं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राजधानी भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार योगीराज योगेश ने बाबा अंबादत भारतीय की स्मृति में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मान समारोह को एक सच्ची श्रद्धांजलि निरूपित करते हुए कहा कि विघटन के दौर में आज जब लोग अपनों को याद नहीं रखते ऐसे में एक पत्रकार को निधन के लंबे समय तक याद रखे जाना प्रशंसनीय और अनुकरणीय पहल है। इसके लिए उन्होंने रघुवर दयाल गोहिया के कार्य और प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। सम्मान समारोह के प्रारंभ में वरिष्ठ पत्रकार रघुवर दयाल गोहिया ने स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रदीप एस चौहान ने किया तथा अंत में पत्रकार संतोष सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

तीन श्रेणियां में दिए गए पुरस्कार- स्वर्गीय अंबादत भारतीय स्मृति पत्रकारिता सम्मान इस वर्ष तीन श्रेणियों में प्रदान किए गए। राष्ट्रीय सम्मान भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुधीर कुमार सक्सेना को प्रदान किया गया। जबकि प्रदेश स्तरीय पुरस्कार इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार कैलाश गौड़ को तथा जिला स्तरीय सम्मान जिले की भेरूंदा निवासी डॉ. पुष्पा शर्मा को प्रदान किया गया। पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र एवं शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। जिले के वरिष्ठ साहित्यकार धर्मराज देशराज ने अपने द्वारा प्रकाशित गजल एवं कविता संग्रह की पुस्तक सम्मानित पत्रकार एवं अतिथियों को भेट की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सुखराम बौद्ध द्वारा जय माता प्रिंटर्स म नं 1, नियर अमर दाल मिल, पेमदीपुरा, नियर चिकलोद रोड़ बापू कॉलोनी जहांगीराबाद भोपाल 462008 म.प्र. से मुद्रित एवं 263, राहुल नगर, एम. ए. सी. टी. चौराहा के पास भोपाल 462003 (मप्र) से प्रकाशित।
संपादकः सुखराम बौद्ध **मो. 9424441626,** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय भोपाल रहेगा।) (समाचार चयन के लिये पी. आर. बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।) Email-rajdhanihulchul@gmail.com; Web- www.rajdhanihulchul.com; RNI- MPHIN/2016/70817